हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 127 | प्रयागराज, गुरुवार 11 अगस्त , 2022 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 1रुपया

दिव्या काकरान को यूपी की खिलाड़ी कहकर दिल्ली ने पल्ला झाड़ा, योगी ने 25 लाख इनाम का ऐलान

लखनऊ। यूपी सरकार ने बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में कांस्य पदक जीतने वाली दिव्या काकरान का सम्मान करने का फैसला किया है। मुजफ्फरनगर की रहने वाली दिव्या को योगी सरकार 25 लाख रुपए इनाम देगी।

वह दिल्ली से खेलती हैं, लेकिन दिल्ली सरकार ने उन्हें यूपी का बताकर पल्ला झाड़ लिया था। कॉमनवेल्थ गेम्स में कुश्ती में कांस्य जीतने वाली दिव्या काकरान ने दिल्ली के मुख्यमंत्री से मदद मांगी थी। इसके बाद इस मुद्दे पर राजनीति बढ़ने लगी हैं

आम आदमी पार्टी यानी आप के विधायक सौरभ भारद्वाज ने ट्विटर पर उन्हें यूपी का खिलाड़ी बताया। दिव्या के सबूत दिखाने के बाद आप विधायक सौरभ भारद्वाज ने कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए ट्विटर पर दिव्या से कहा, "बहन, पूरे देश को आप पर गर्व है, लेकिन मुझे याद नहीं आता कि आप दिल्ली की तरफ से खेलती हैं। आप हमेशा उत्तर प्रदेश की तरफ से खेलती आईं हैं। लेकिन खिलाड़ी देश को होता है। योगी आदित्यनाथ जी से आप को सम्मान की उम्मीद नहीं है। मुझे लगता है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री आपकी बात जरूर सुनेंगे। इसके बाद सीएम योगी की ओर से बकायदा ट्वीट कर यह घोषणा की गई कि दिव्या का सम्मान भी यूपी सरकार करेंगी। यूपी सरकार ने कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को सम्मान करने का फैसला किया है। उत्तर प्रदेश के 8 खिलाड़ियों ने देश के लिए मेडल्स जीतकर न सिर्फ देश का, बल्कि प्रदेश का भी गौरव बढ़ाया है। प्रदेश सरकार ने नई खेल नीति के तहत हाल ही में घोषणा की थी कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मेडल्स जीतने वाले खिलाड़ियों को उचित सम्मान और पद दिया जाएगा। इसके तहत स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी को एक करोड़ रुपए, रजत पदक विजेता को 75 लाख रुपए और कांस्य पदक जीतने वाले को 50 लाख रुपए का नकद इनाम दिया जाएगा। साथ ही सभी पदकवीरों को राजपत्रित अधिकारी का पद भी दिया जाएगा।

सपा प्रमुख अखिलेश ने नीतीश और तेजस्वी को बधाई दी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को पद और गोपनीयता की शपथ लेने के बाद बधाई दी हैं। यादव ने ट्वीट कर कहा, बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में श्री नीतीश कुमार जी एवं उपमुख्यमंत्री के रूप में श्री तेजस्वी यादव जी को शपथ लेने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। जनता दल (यू) के नेता नीतीश कुमार ने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी कोरोना संक्रमित, राहुल का राजस्थान दौरा रद्द

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को बताया कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित हो गई हैं। उन्होंने ट्वीट कर बताया कि वह घर में पश्थकवास में हैं और कोविड से जुड़े सभी दिशानिर्देशों का पालन करेंगी। वहीं, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपनी बहन प्रियंका के संक्रमित होने के चलते अपना प्रस्तावित राजस्थान दौरा फिलहाल रद्द कर दिया है। राहुल को अलवर के तिजारा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करना था। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी ने फिलहाल राजस्थान नहीं जाने का फैसला ऐहतियातन किया। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी अपनी भी कोविड जांच करा सकते हैं। प्रियंका गांधी इससे पहले भी कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुकी हैं। हाल के दिनों में कई कांग्रेस नेता कोरोना से संक्रमित हुए हैं। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी के मीडिया एवं प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा, प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और कुछ अन्य नेता कोरोना वायरस से संक्रमित हैं।

2020 बेंगलुरु हिंसा का मकसद आतंक फैलाना था : कर्नाटक हाईकोर्ट

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि एक सोशल मीडिया पोस्ट के बाद बेंगलुरु के डीजे हल्ली और केजी हल्ली इलाकों में बड़े पैमाने पर हुई हिंसा आतंकवाद थी। हाईकोर्ट ने घटना के सिलसिले में बुधवार को आरोपी अतीक अहमद और अन्य की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी। पैगंबर मोहम्मद पर एक सोशल मीडिया पोस्ट के बाद, शहर में अगस्त 2020 में डीजे हल्ली और केजी हल्ली पुलिस स्टेशन की सीमा में बड़े पैमाने पर हिंसा देखी गई। हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। हिंसक भीड़ ने थाने में आग लगाने की कोशिश की और कांग्रेस विधायक के घर को आग के हवाले कर दिया। न्यायमूर्ति के. सोमशेखर और न्यायमूर्ति शिवशंकर अम्मन्नावर की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि पुलिस थाने के सामने एकत्रित हिंसक भीड़, पुलिस पर लोहे की छड़ों से हमला, पेट्रोल से भरी बोतलें और हिंसा भड़काने को जनता में आतंक पैदा करने के लिए किए गए कृत्यों के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। पीठ ने यह भी कहा कि आरोपी आतंक फैलाने के लिए एकत्र हुए थे जैसा कि राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी (एनआईए) के आरोप पत्र में उल्लेख किया गया है। अदालत ने कहा, यह मामला यूएपीए अधिनियम की धारा 45 डी (5) के तहत आता है। चार्जशीट में लगाए गए आरोप प्रथम सही प्रतीत होते हैं। आरोपी के वकील मोहम्मद ताहिर ने तर्क दिया कि सिटी क्राइम ब्रांच (सीसीबी) और बाद में एनआईए के समक्ष दर्ज गवाहों के बयान अलग हैं। उन्होंने कहा, एनआईए ने गवाहों के बयानों को तोड़–मरोड़ कर पेश किया है। आरोपी ने हिंसा में हिस्सा नहीं लिया। लोक अभियोजक पी. प्रसन्ना कुमार ने कहा कि आरोपियों को जमानत नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि उनकी संलिप्तता प्रथम दृष्टया साबित हो चुकी है।

बिहार में गई सरकार धरने पर बैठी बीजेपी

पटना। बिहार में नीतीश कुमार के पाला बदलने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब आक्रामक तेवर में है। भाजपा के नेता नीतीश के पाला बदलने को विश्वासघात बताते हुए पटना में प्रदेश कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए हैं। भाजपा ने नीतीश के महागठबंधन के साथ जाने को जनादेश का अपमान बताते हुए बुधवार को एक दिवसीय महाधरना का आयोजन किया है। इस महाधरना में पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता भाग ले रहे हैं। धरना पर बैठे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने कहा कि विधानसभा चुनाव में बिहार की जनता ने एनडीए को जनादेश दिया था, लेकिन जनादेश का अपमान कर नीतीश अब उन्हीं के साथ हो लिए जिनके खिलाफ वे राजनीति में अपनी पहचान बनाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार में कोई दिक्कत थी तो हम नीतीश कुमार के पास ही जाएंगे न कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के पास जायेंगे। जहरीली शराब से हो रही मौत पर हम सवाल करते थे और कह रहे थे इसे कंट्रोल करिए, लेकिन उन्हें बुरा लगता था। धरने पर बैठे पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि भाजपा ने ही नीतीश कुमार को आगे बढ़ाया और अब वे हम पर ही पार्टी तोड़ने का आरोप लगाते हैं। उन्होंने कहा कि इस विश्वासघात को लेकर हमलोग राज्यभर में जाएंगे। उन्होंने कहा नीतीश कुमार के इस कदम से राज्य की जनता आक्रोशित है और इसका जवाब देगी। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात करने वाले नीतीश कुमार आज भ्रष्टाचार की पहचान बन चुके कांग्रेस और राजद के साथ सरकार बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश ने जनादेश का अपमान किया है। विश्वासघात के खिलाफ 12 अगस्त को जिला मुख्यालय में और 13 अगस्त को प्रखंड मुख्यालयों पर भी महाधरना का आयोजन किया जाएगा।

देश में संक्रमण के 16,047 नए मामले, 54 और लोगों की मौत

नई दिल्ली। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 16,047 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,41,90,697 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,28,261 हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 54 और लोगों की मौत होने के बाद मश्तक संख्या बढ़कर 5,26,826 हो गई। देश में कोविड–19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,28,261 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.29 प्रतिशत है।

पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 3,546 की कमी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.52 प्रतिशत है और कोविड–19 से मश्त्यु दर 1.19 प्रतिशत है।

अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, दैनिक संक्रमण दर 4.94 प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 4.90 प्रतिशत है।

शरद पवार ने नीतीश कुमार के फैसले का स्वागत किया, बीजेपी पर अपने सहयोगियों को खत्म करने का लगाया आरोप

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी पर अपने क्षेत्रीय सहयोगियों को धीरे–धीरे खत्म करने का आरोप लगाया और भाजपा से नाता तोड़ने के बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फैसले का समर्थन किया। महाराष्ट्र में पुणे जिले के बारामती में पत्रकारों से बातचीत में पवार ने दावा किया कि भाजपा यह योजना बना रही थी कि शिवसेना को कैसे कमजोर किया जाए और उसने पार्टी में फूट डाल दी। उन्होंने बुधवार को दावा किया कि "भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने हाल में अपने संबोधन में कहा था कि क्षेत्रीय दलों का कोई भविष्य नहीं है और उनका अस्तित्व नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि देश में केवल उनकी पार्टी रहेगी।

राकांपा अध्यक्ष ने कहा, "इस बयान से एक बात तो स्पष्ट है कि भाजपा अपने सहयोगियों को धीरे–धीरे खत्म कर रही है, जो नीतीश कुमार की भी शिकायत है। एक उदाहरण देते हुए पवार ने कहा कि अकाली दल जैसी पार्टी उनके (भाजपा) साथ थी। उन्होंने कहा, "उसके नेता प्रकाश सिंह बादल भाजपा के साथ थे लेकिन आज पार्टी पंजाब में लगभग खत्म हो गयी है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में शिवसेना और भाजपा कई वर्षों तक साथ रहीं। उन्होंने कहा, "आज भाजपा यह योजना बना रही है कि शिवसेना में फूट डालकर उसे कैसे कमजोर किया जा सकता है और (महाराष्ट्र के मौजूदा मुख्यमंत्री) एकनाथ शिंदे व अन्य ने इसमें मदद की है। राकांपा नेता ने कहा कि ऐसा करने में शिवसेना पर उस पार्टी ने वार किया जो कभी उसकी सहयोगी थी। उन्होंने बताया कि बिहार में भी ऐसी स्थिति बनती दिख रही थी। जदयू के नीतीश कुमार और भाजपा ने पिछला विधानसभा चुनाव एक साथ मिलकर लड़ा था। पवार ने दावा किया, "भाजपा की एक और खासियत है कि वह चुनावों के वक्त क्षेत्रीय दल से हाथ मिलाती है लेकिन यह सुनिश्चित करती है कि सहयोगी दल कम सीटें जीते। महाराष्ट्र में भी ऐसा ही हुआ। उन्होंने कहा कि जब बिहार में भी ऐसी ही तस्वीर बनती दिखी तो राज्य के मुख्यमंत्री पहले ही सतर्क हो गए और उन्होंने भाजपा से संबंध तोड़ने का फैसला ले लिया। पवार ने कहा, "चाहे भाजपा नेता नीतीश कुमार की कितनी भी आलोचना करे लेकिन उन्होंने विवेकपूर्ण फैसला किया है। उन्होंने भाजपा द्वारा पैदा किए जा रहे संकट को भांपते हुए यह फैसला लिया। मुझे लगता है कि उन्होंने अपने राज्य तथा पार्टी के लिए बुद्धिमानी भरा निर्णय लिया।

भारत और अमेरिका के विशेषज्ञ छह विषयों पर करेंगे संयुक्त रिसर्च

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका के विशेषज्ञों ने संयुक्त रिसर्च योजनाओं को शुरू करने को लेकर बातचीत की है। दोनों देश उन क्षेत्रों में रिसर्च के इच्छुक हैं जिन्हें विकास परियोजनाओं किक–ऑफ कार्यशाला में प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र (टीआईएच) के माध्यम से लागू किया जाएगा। इनमें भारत और अमेरिका में उपलब्ध टेस्ट बेड व डेटासेट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) व एडवांस वायरलेस जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों पर सहयोग का विस्तार और छात्र व शोधकर्ता विनिमय कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करना शामिल हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य दोनों देशों में मौजूदा अनुसंधान परियोजनाओं में अंतरराष्ट्रीय सहभागिता के घटक को जोड़ना है। यह केंद्र राष्ट्रीय अंतर–विषयक साइबर–फिजिकल प्रणालियों के मिशन के तहत लगभग 43 करोड़ डॉलर के निवेश के पांच साल के खंड का हिस्सा हैं और इसमें अकादमिक शोधकर्ता व उद्योग भागीदारी शामिल हैं। इस कार्यशाला का आयोजन आईआईटी– दिल्ली ने किया। इसका उद्देश्य इस विषय पर चर्चा करना था कि छह टीआईएच द्वारा परियोजनाओं को कैसे कार्यान्वित किया जाना है, जो अद्वितीय संसाधनों का लाभ उठाएंगे। केंद्रीय विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय में वरिष्ठ सलाहकार डॉ. अखिलेश गुप्ता ने बताया कि ऐसी कुल 35 संयुक्त परियोजनाओं की पहचान की गई है, जिन्हें अमेरिका के प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र (टीआईएच) और अनुसंधान संस्थानें लागू करेंगी। उन्होंने कहा, इस प्रयास से दोनों देशों के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान और विकास प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। डॉ. गुप्ता ने कहा, अमेरिका हमारा स्वाभाविक साझेदार है। विशेष रूप से विज्ञान में हमने पारंपरिक रूप से भागीदारी की है और सहयोगी परियोजनाओं के माध्यम से संस्था स्तर, सरकारी स्तर और यहां तक कि लोगों के स्तर पर भी जुड़ाव और अधिक गहरा होगा। आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने कहा कि यह कार्यशाला समाज की समस्याओं के समाधान के लिए लिंकेज को सक्षम करेगी और टीआईएच का निर्माण करेगी। भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और नेशनल साइन्स फाउंडेशन (एनएसएफ) ने सितंबर 2021 में विषयगत क्षेत्रों में सहयोगी अनुसंधान और विकास के लिए आपस में हाथ मिलाया। इन क्षेत्रों में कृषि, स्वायत्त तकनीक प्रणाली व अनुप्रयोगों, स्वास्थ्य व पर्यावरण, पुनर्वास व सहायक रोबोटिक्सऔर विभिन्न साइबर–फिजिकल प्रणालियों को कवर करने वाले स्मार्ट शहर शामिल हैं। डीएसटी नए युग की तकनीकों में नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए पांच साल की अवधि के लिए 3,660 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ राष्ट्रीय मिशन–अंतर–विषयक साइबर–फिजिकल प्रणालियों (एनएमआईसीपीएस) को कार्यान्वित कर रहा है। इस मिशन के कार्यान्वयन के तहतदेश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों में 25 प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र (टीआईएच) स्थापित किए गए हैं। इसका उद्देश्य उन्नत प्रौद्योगिकी मेंसाइबर–फिजिकल प्रणालियों, नीति निमार्ताओं, शोधकताओं, प्रमुख संस्थानों, स्टार्ट–अप्स, उद्यमियों, निवेशकों, उद्योगों और वैश्विक जुड़ाव को लेकर मंच का नेतृत्व करने के लिएएक मजबूत नींव और एक सुगम इकोसिस्टम का निर्माण करना है।

सुप्रीम कोर्ट से नुपूर शर्मा को बड़ी राहत, उनके ऊपर दर्ज हुई सभी एफआईआर को दिल्ली ट्रांसफर करने के निर्देश

नई दिल्ली। पैगंबर मुहम्मद पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर भाजपा से निष्कासित हुई नूपुर शर्मा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने नूपुर शर्मा के ऊपर दर्ज हुई सभी एफआईआर को दिल्ली ट्रांसफर करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने साफ किया है कि अगर किसी दूसरे राज्य की पुलिस जहां एफआईआर दर्ज हुई है वो जांच के दौरान अपना सुझाव देना चाहते हैं तो दे सकते हैं। दरअसल, नूपुर के वकील ने याचिका दायर कर सभी मामलों को दिल्ली ट्रांसफर करने की मांग की थी। 19 जुलाई को हुई पिछली सुनवाई में अदालत ने नूपुर की गिरफ्तारी पर 10 अगस्त तक के लिए रोक लगा दी थी। नुपूर ने अपने खिलाफ देशभर में दर्ज सभी एफआईआर को दिल्ली शिफ्ट करने की गुहार लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर केंद्र–राज्य और नुपूर शर्मा से एफिडेविट मांगा था। कोर्ट ने निर्देश दिया था कि नूपुर शर्मा के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। सुनवाई के दौरान नूपुर शर्मा की ओर से पेश वकील मनिंदर सिंह ने उनकी जान को खतरा बताया था।

शपथग्रहण के बाद बोले नीतीश, जदयू को हराने की कोशिश हुई

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शपथ ग्रहण करने के बाद बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को 2024 के लोकसभा चुनाव के बारे में चिंता करनी चाहिए। संवाददाताओं से बातचीत में भाजपा पर निशाना साधते हुए नीतीश ने कहा, 'उनकी तरफ से जदयू को हराने की कोशिश हुई। हम तो मुख्यमंत्री बनना भी नहीं चाहते थे। दबाव बनाया गयाकृ क्या–क्या हुआ वो आप लोग देख रहे थे। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अगले लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे तो उन्होंने कहा, 'मेरी कोई दावेदारी नहीं है। इस प्रश्न पर कि क्या वह देश में अब विपक्ष की राजनीति को मजबूत करेंगे, नीतीश ने कहा, 'पूरे तौर पर करेंगे। एक बार पहले भी किया था। हम चाहेंगे कि सभी लोग मिलकर पूरी तरह से मजबूत होंकृ कुछ लोगों को लगता है कि विपक्ष खत्म हो जाएगा तो हमलोग भी अब आ ही गए हैं विपक्ष में। यह पूछे जाने पर कि अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी में क्या अंतर है, उन्होंने कहा, 'श्रद्धेय अटल जी और उस समय के अन्य लोग कितना प्रेम करते थे, वह कभी हम भूल सकते हैं क्या? उस समय की बात अलग थी। अपने पूर्व सहयोगी आरसीपी सिंह का नाम लिए बगैर पर उन पर निशाना साधते हुए नीतीश ने कहा, 'एक आदमी को जिम्मा दे दिए। उस आदमी से पूछिए। वह पार्टी के साथ रहने के बजाय कहीं और चले गए।

सम्पादकीय

निर्यात पर जोर

वित्त वर्ष 2021–22 में भारत ने 420 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं तथा 254 अरब डॉलर मूल्य की सेवाओं का रिकॉर्ड निर्यात किया था। लगातार बढ़ते निर्यात से यह इंगित होता है कि भारत में उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं के प्रति अंतरराष्ट्रीय बाजार में भरोसा बढ़ रहा है। लेकिन निर्यात के साथ–साथ आयात में बढ़ोतरी चिंता की बात है, जिसके कारण व्यापार घाटा और चालू खाते का घाटा बढ़ता जा रहा है। वर्तमान वित्त वर्ष 2022–23 के पहले चार महीनों (अप्रैल–जुलाई) में ही व्यापार घाटा 100 अरब डॉलर से अधिक हो चुका है। इस पश्ष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राज्यों से निर्यात बढ़ाने का आह्वान महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्थानीय उत्पादों के उपभोग को प्रोत्साहित करने के लिए भी कहा है, ताकि आयात पर निर्भरता कम की जा सके। उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी के प्रारंभिक दौर में ही प्रधानमंत्री मोदी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने तथा वैश्विक आपूर्ति शर्ंखला में भारतीय उत्पादों की हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर दिया था। बड़ी आबादी होने के कारण भारतीय बाजार का आकार भी बहुत बड़ा है। अगर हम स्थानीय उत्पादों का उपभोग करें, तो उत्पादन भी बढ़ेगा और रोजगार व आमदनी के अधिक अवसर भी पैदा होंगे। साथ ही, हम कई वस्तुओं के आयात को कम कर व्यापार घाटे को भी कम कर सकते है। निर्यात बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा अनेक पहलें की गयी हैं, जिनमें दो कार्यक्रम– उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआइ स्कीम) तथा कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ाने के लिए किसान व निर्यातकों के बीच संपर्क अभियान– विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। पीएलआइ स्कीम के तहत वैश्विक स्तर के गुणवत्तापूर्ण निर्यात के लिए उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसमें उत्पादकों को वित्तीय और तकनीकी सहयोग मुहैया कराया जा रहा है। कृषि उत्पादों के निर्यात में लगातार बढ़त है। इसके लिए केंद्र सरकार राज्य सरकारों के माध्यम से जिला स्तर के अधिकारियों के सहयोग से किसानों से निर्यातकों का संपर्क कराने की प्रक्रिया चला रही है। एक बड़ी समस्या यह है कि राज्यों के अधिकारी तथा उत्पादकों को निर्यात प्रक्रिया के बारे कम जानकारी होती है। ऐसी कमियों को दूर किया जाना चाहिए। निर्यात पर बल देने के प्रधानमंत्री मोदी के आग्रह का महत्व इसलिए भी है कि अगर निर्यात के लायक अच्छी गुणवत्ता के वस्तुओं का उत्पादन बढ़ता है, तो घरेलू उपभोक्ताओं को भी बेहतर चीजें उपलब्ध होंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी रेखांकित किया है कि अगर उत्पादन और निर्यात में वशद्धि होती है, तो अधिक राजस्व संग्रहण भी हो सकेगा। अगले वर्ष भारत को जी–20 समूह की अध्यक्षता मिलेगी। उन्होंने राज्यों को इस मौके का अधिकाधिक लाभ उठाने की सलाह भी दी। इस समूह के देश दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं और उनके साथ गहरे व्यापारिक संबंध राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के साथ राज्यों के लिए भी लाभकारी होंगे। आशा है कि राज्य सरकारें प्रधानमंत्री मोदी की सलाह पर अमल कर निर्यात बढ़ाने को प्राथमिकता देंगी।

स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार के लिए कोविड के सबक

निजी क्षेत्र के अस्पताल और अन्य स्वास्थ्य सेवाएं सामान्यतरू गरीब तबके की पहुंच से इतनी बाहर रहती हैं कि उनके होने, न होने से गरीबों को कोई फर्क नहीं पड़ता। ये सेवाएं आमतौर पर समाज के धनी और उच्च मध्यमवर्गीय हिस्से के काम आती हैं जो स्वास्थ्य पर इतना अधिक खर्च कर सकते हैं। देश में आम लोग सरकारी अस्पतालों में अपना इलाज करवाकर ठीक होते रहे हैं। अच्छा हो या बुरा, इस भेदभावपूर्ण स्वास्थ्य व्यवस्था को मिश्रित अर्थव्यवस्था वाले मॉडल की तरह देश में स्वीकार कर लिया गया था। कुल जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा या तो सरकारी और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं हासिल कर लेता था या फिर कुछ भी हासिल नहीं कर पाता था। निजी क्षेत्र के बड़े महंगे अस्पताल उनकी पहुंच से बाहर रहते थे। उदारीकरण की शुरुआत के बाद से सरकारी या सार्वजनिक क्षेत्र को सिकोड़ा जाने लगा और निजी क्षेत्र को मुनाफा कमाने के अधिक अवसर मुहैया करवाये जाने लगे।

देश में 2014 के चुनावों में विजय हासिल करने के बाद भाजपा सरकार ने कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई निजीकरण की नीतियों को बहुत तेज रफ्तार के साथ आगे बढ़ाया। जितने सार्वजनिक उपक्रम पिछले 65–70 वर्षों में खड़े किये गए थे, उन्हें धड़ाधड़ निजी हाथों में सौंपा जाने लगा। कोविड आने पर महसूस किया गया कि सार्वजनिक क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाएं कितनी मददगार हुईं, लेकिन मुनाफाखोर पूंजीवादी व्यवस्था ने उसे भी आपदा में अवसर की तरह देखा और निजी क्षेत्र के अस्पतालों और दवा कंपनियों को अकल्पनीय फायदा पहुंचाया। फिर भी आमतौर पर जो अनुभव कोविड काल का रहा, उसमें देखा गया कि न केवल गरीब लोगों के लिए निजी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं थीं, बल्कि जो पैसे खर्च करने में सक्षम थे, उन्हें भी निजी स्वास्थ्य सेवाओं से वो सेवाएं नहीं मिल सकीं जिनके लिए वो बरसों–बरस भारी रकम लुटाते रहे हैं। ज्यादातर वही सरकारी अस्पताल, सरकारी डॉक्टर और स्टाफ काम आया जिसे निजीकरण के युग में हाशिये पर धकेला जा रहा था, जिनकी जमीनें बेची जा रही थीं, जिनके स्टाफ को ठेके पर रखा जा रहा था और जहां से दवाइयां मुफ्त देना बंद किया जा रहा था। 1990 के दशक के बाद से सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के संजाल को धीरे–धीरे नाकारा करना शुरू कर दिया गया था। अस्पतालों से दवाएं गायब हो गईं थीं, जांचों के लिए मरीजों को निजी श्पैथोलॉजी लेबोरेटरीश भेजा जाने लगा था। एक्स–रे, ईसीजी मशीनें या अन्य जरूरी उपकरण भी सरकारी अस्पतालों में ठीक–ठाक हालत में नहीं मिलते थे। सरकारी अस्पतालों के बजट में सरकार ने कटौती कर दी थी। कुल मिलाकर, धीरे–धीरे सरकारी अस्पतालों से मरीजों का विश्वास कमजोर कर दिया गया था और करीब–करीब 80 फीसदी मरीज मजबूरी में निजी स्वास्थ्य सेवाओं की तरफ मुड़ गए थे। कोविड की दूसरी लहर में सरकार ने निजी अस्पतालों को स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए बाध्य किया। बाध्यता के चलते निजी अस्पतालों ने अपने दरवाजे तो खोल दिए, लेकिन सब जानते हैं कि कोविड के मरीज का निजी अस्पतालों में इलाज का पैकेज लाखों रुपये रोज का था। पंजाब, दिल्ली और केरल ही ऐसे राज्य थे जहां सरकार ने बेतहाशा महंगे कर दिए गए इलाज के मामले में कुछ हस्तक्षेप किया और मरीजों को राहत दिलवाई। दवाओं की जमाखोरी खुलेआम हुई। राजनेताओं ने जरूरत न होने पर भी अपने क्षेत्र के मतदाताओं को उपकृत करने के लिए जिस दवा का नाम चला, वो थोक में खरीदकर रख ली। श्रेमडेसिवीरश के नाम पर सादे पानी के इंजेक्शन भी जरूरतमंदों को एक–एक लाख रुपये में बेच दिए गए। इन सभी कारणों से सरकारी अस्पतालों पर काफी अतिरिक्त भार आ गया, जबकि उन्हें 1991 के बाद से धीरे–धीरे कमजोर करने की प्रक्रिया पहले ही जारी थी। जिन मरीजों को टेस्ट में कोरोना पॉजिटिव आया, लेकिन कोई और बीमारी का लक्षण उन्हें नहीं था, उन्हें भी सरकारी अस्पतालों में भर्ती कर दिया गया। नतीजा ये हुआ कि जो छोटी–मोटी बीमारी के भी मरीज थे, जिनका सामान्य स्थितियों में घर पर ही इलाज हो जाता था, लेकिन कोरोना के डर ने उन्हें अस्पतालों की ओर दौड़ने पर मजबूर कर दिया था। बाद में, ऑक्सीजन सिलिंडरों की जो त्राहि–त्राहि मची, निजी अस्पतालों ने ना केवल मुनाफा कमाया, बल्कि कुछ अस्पतालों ने तो ऑक्सीजन आपूर्ति बंद करके मरीजों की जान से भी खिलवाड़ किया। इसी तरह वैक्सीन बनाने के मामले में भी निजी कंपनियों के हित आगे रखे गए। कोरोना ने निजी स्वास्थ्य व्यवस्था के असली कुरूप चेहरे को देश के आम लोगों के सामने उघाड़कर रख दिया था, लेकिन सरकार और प्रशासन ने आम लोगों के असंतोष और गुस्से को सोशल मीडिया के जरिये विभाजित और विमुख कर दिया। यह बात लोगों के सामने बार–बार रखने की जरूरत है कि सबसे भीषण स्वास्थ्य संकट के दौरान सबसे ज्यादा काम में आने वाली व्यवस्था वही सार्वजनिक स्वास्थ्य की सरकारी व्यवस्था थी जिसे आजादी के बाद स्थापित किया गया था। इन्हीं सब वजहों से स्वास्थ्य का मुद्दा पहली बार जोरदार राजनीतिक मुद्दा भी बना, हालांकि मीडिया और राजनीति के गठजोड़ ने इसे ज्यादा देर तक बना नहीं रहने दिया। फिर भी कहीं–न–कहीं जो सरकारी उपक्रमों को कामचोर और निजी उपक्रमों को अधिक योग्य और सक्षम बताते नहीं थकते थे, उन्हें भी लगा कि अगर निजी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र को साथ–साथ समानांतर चलाया गया तो निजी क्षेत्र, येन–केन प्रकारेण मुनाफे को बढ़ाने की प्रवृत्ति के कारण, सार्वजनिक क्षेत्र को हाशिये पर धकेलता जाता है। अगर स्वास्थ्य का क्षेत्र ही मुनाफे पर आधारित हो जाएगा तो हमें एक बीमार और अस्वस्थ्य आबादी वाला देश बनने से कौन रोक पाएगा? हमें एक मजबूत राष्ट्रीय स्वास्थ्य व्यवस्था की आवश्यकता है, जिसमें देश के सभी संसाधनों को लोगों की उत्तम सेवा के लिए उपयोग में लाया जा सके। बेशक सरकार को अधिक खर्च करना होगा और इसके लिए अमीर वर्ग पर ज्यादा कर,टैक्स लगाना होगा। सालों से उन्हें सभी तरह के कर–लाभ, रियायतें, कर–मुक्त अवधि, कर–कटौती, बेलआउट और अन्य कई लाभ दिए गए हैं। सुपर रिच टैक्स एक ऐसा उपाय है, वेल्थ टैक्स और इनहैरिटैंस टैक्स (विरासत–कर) भी लगा सकते हैं। वैसे भी टैक्स का स्लैब जो जितना ज्यादा अमीर है, उसके लिए उतना ही कम है। सरकार जो भी योजनाएं लाती है, उसमें गरीबों का पैसा अंत में अमीरों की दवाई में और अमीर डॉक्टरों और अमीर हॉस्पिटलों की जेब में जाता है।– **डॉ. माया वालेचा और विनीत तिवारी**

गलत नीतियों को चुनौती दी जानी चाहिए

मोदी सरकार द्वारा जो कुछ किया जा रहा है उसे सही ठहराने के लिए नीतिश का हवाला दिया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रवृत्ति को खारिज करने के लिए अपने को मजबूर महसूस किया है। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना की पीठ ने गतिशीलता विकलांग लोगों द्वारा उपयोग किए जाने वाले व्हील चेयर जैसे उपकरणों पर जीएसटी लगाने के खिलाफ एक याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत के सामने श्नीति की बेड़ियोंश के कारण समस्या का हवाला दिया और कहा कि इन्हें तोड़ना महत्वपूर्ण है। शीर्ष अदालत को कई मामलों में निर्णायक रूप से हस्तक्षेप करना पड़ा है, जहां सरकार ने असहायता व्यक्त करते हुए सरकार की नीति की मजबूरियों पर अपने कार्यों को जिम्मेदार ठहराया है। लेकिन कोर्ट ने इस दलील को मानने से इनकार कर दिया और सरकार को रास्ता बदलने का आदेश दिया। कुछ सबसे चकाचौंध वाले मामलों में प्रवासी श्रमिकों के सामने आने वाली समस्याओं को संभालने के लिए सरकार की निष्क्रियता शामिल थी, जब उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित एक असामयिक तालाबंदी की घोषणा के बाद घर वापस जाने के लिए महान ट्रेक का मंचन किया। अदालत ने सरकार को तथाकथित नीतियों से परे देखने के लिए भी मजबूर किया था, जब सरकार ने राज्य सरकारों पर बोझ डालकर सभी पात्र लोगों को मुफ्त टीके की उपलब्धता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी से भागने की मांग की थी। हालांकि सरकार के पास कोर्ट की लाइन पर चलने के अलावा कोई विकल्प नहीं था, लेकिन वह विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच तथाकथित श्शक्तियों के पृथक्करणश को उठाती रही है, नीतियों के क्षेत्र में जाने के लिए कोर्ट की आलोचना करती रही है। वास्तव में, सरकार अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल के माध्यम से अपने दिल की बात कह रही है, जिन्होंने बार–बार सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारियों के परिभाषित क्षेत्रों से अधिक होने की शिकायत की है। सुप्रीम कोर्ट के कई फैसले इसके न्यायिक दायरे से आगे निकल गए हैं। हमने कहा है कि यह एक नीतिगत निर्णय है, फिर भी अदालत आगे बढ़ी । अक्सर अदालत नीतिगत फैसले देती रही है और विधायिका को ऐसे और ऐसे कानूनों को पारित करने के लिए कह रही है। शक्तियों का पृथक्करण है और इसे ध्यान में रखा जाना चाहिएश, वेणुगोपाल ने एक पीठ को बताया, जिसके सदस्यों में से एक स्वयं डीवाई चंद्रचूड़ थे। गौरतलब है कि जब कोर्ट ने ताजा जीएसटी मामले में इस मुद्दे को उठाया था, तब यह नरम सुझाव के तौर पर दिया गया था। अब समय आ गया है कि नीति की बेड़ियोंश पर पूरी तरह से बहस हो ताकि सरकार इसे अपनी जिम्मेदारियों से भागने के बहाने के तौर पर इस्तेमाल न करे। अदालतों को इसे और अधिक मजबूती से सरकार के सामने रखने की जरूरत है। नीति का पालन करना ठीक है, लेकिन शायद जो अधिक मायने रखता है वह यह है कि क्या नीति स्वयं समस्याग्रस्त है। अतीत में ऐसे कई मौके आए हैं जब सुप्रीम कोर्ट ने अधिक सक्रिय दृष्टिकोणन अपनाया और नीति को गलत बताया, जिसे सरकार को बदलने के लिए मजबूर होना पड़ा। सरकार की कई नीतियां संविधान में निहित लोगों के अधिकारों के खिलाफ और घटिया पाई गई हैं और किसी को इस तरह के विचलन को इंगित करना होगा। इस भूमिका को निभाने के लिए अधिक सक्षम और अनिवार्य कोई अन्य संस्था नहीं है। दुर्भाग्य से, संसद ने उस तरह से प्रदर्शन करना बंद कर दिया है जिस तरह से संविधान निर्माताओं द्वारा परिकल्पित किया गया था, जो चाहते थे कि सरकार की हर कार्रवाई की उसकी योग्यता के आधार पर जांच की जाए और फिर उसे मंजूरी दी जाए। संसद के दोनों सदनों की प्रकृति आज जैसी है, उनसे कुछ ज्यादा उम्मीद नहीं की जा सकती। सरकार बिना किसी बहस के, अपनी पाशविकता का इस्तेमाल करते हुए या संदेहास्पद तरीकों से, विपक्ष पर धावा बोलकर, अपने कानूनों को आगे बढ़ा रही है। हमने देखा है कि कैसेदेश में सामान्य मूल्य वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को बिना सोचे–समझे तकनीकी और प्रक्रियाओं का हवाला देते हुए कालीन के नीचे दबा दिया गया है, इन पर निष्पक्ष रूप से विचार करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इस संदर्भ में, यह आवश्यक है कि अदालतें सुधारात्मक शक्ति के रूप में कदम उठाएं और कार्य करें। **– के रवींद्रन**

आज का राशिफल

मेष :– दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीन भावना न आने दें। बाहर की दुनिया में समय देने से अच्छा है कि थोड़ा घर में समय देने की चेष्ठा करें। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी।

बृषभ :– बुद्धिमत्ता द्वारा प्रत्येक दिशा में स्वयं को पारंगत सबित करेंगे। भौतिकता की लोलुपतावश दूसरों के चढ़ाने में आकर अपनी आर्थिक क्षति कर सकते हैं। जीवन साथी से कुछ मुद्दों पर वैचारिक मतभेद संभव।

मिथुन :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं। कुछ अच्छे आसारों से मन प्रसन्न होगा। रोजगार में अच्छे लाभ के आसार बनेंगे। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

कर्क :– भौतिक–सुख साधन में व्यय के आसार हैं। रोजगार में अच्छी आशाएं प्रसन्नता लाएंगी किंतु पारिवारिक चिंताओं से मन ग्रसित होगा। आंतरिक प्रतिभाओं द्वारा सगे–संबंधों में प्रभावी बनेंगे।

सिंह :– घरेलू दायित्वों की पूर्ति हेतु सक्रियता से आपकी महत्ता बढ़ेगी। अंतमरुखी स्वभाव को त्याग बाह्यमुखी बने। पूजा–पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी। आलस्य त्यागें।

कन्या :– भौतिकता के आधार पर थोड़ा असंतोष हो सकता है। सगे–संबंधों में व्यवहार कुशल बने। कुछ नयी अभिलाषाएं आपको हतोत्साहित करेंगी। पारिवारिक वातावरण उत्साहित रहेगा।

तुला :– दुविधाओं को त्याग सही और स्वच्छ योजनाओं की ओर केंद्रित हों। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है किंतु भावनात्मक अपेक्षाएं कष्ट की जननी बनेंगी।

वृश्चिक :– निकट संबंधों में मधुर वाणी का प्रयोग करें। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। कार्यक्षेत्र में लोकप्रियता बढ़ेगी। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगेगा।

धनु :– राजनीति से जुड़े लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी किंतु सामाजिक मर्यादा का ध्यान रखें। कोई नई सकारात्मक सोच से प्रगति के आसार बढ़ेंगे।

मकर :– भावनाओं पर नियंतण्रखें दायित्वों के प्रति सजग हों। अच्छी योजनाओं द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करने में सक्षम होंगे। धनागम के ने स्रेत बनेंगे। परिवार में खुशहाल स्थिति रहेगी।

कुंभ :– किसी महत्वपूर्ण दायित्व की कुशल पूर्ति हेतु समुचित साधन व्यवस्था के लिए मन चिंतित होगा। नौकरी–पेशे में अधिकारियो व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा।

मीन :– अपनी भावुकता पर नियंतण्रखें। हर रिश्ते में अपने अनुकूल अपेक्षा रखना आपकी सबसे बड़ी मूर्खता है। माता के स्वास्थ के प्रति कुछ चिन्ताएं होंगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

अविस्मरणीय है श्यामलाल का योगदान

देश की आजादी के आंदोलन के दौरान क्रांतिवीरों में गीतों के माध्यम से अभूतपूर्व जोश भरने वाले अनूठे व्यक्तित्व का नाम है श्यामलाल गुप्त 'पार्षद'। गुप्त का जन्म 16 सितंबर, 1893 को उत्तर प्रदेश के कानपुर के नरबल कस्बे के एक साधारण व्यवसायी श्री विश्वेसर गुप्त के यहां हुआ था। वह पांच भाइयों में सबसे छोटे थे। परिवार की आर्थिक स्थिति काफी खराब होने के बाद भी इन्होंने मिडिल परीक्षा पास की और विशारद की उपाधि भी हासिल की। बाद में जिला परिषद और नगरपालिका में अध्यापक की नौकरी की, लेकिन तुरंत त्यागपत्र भी दे दिया।

वर्ष 1921 में ये गणेश शंकर विद्यार्थी के संपर्क में आये और फिर फतेहपुर को ही अपना कार्यक्षेत्र बना लिया। एक प्रतिनिधि की हैसियत से इन्होंने नागपुर कांग्रेस अधिवेशन में भाग लिया। फतेहपुर में रानी असोधर के महल से असहयोग आंदोलन शुरू करने के आरोप में 21 अगस्त, 1921 को पहली बार गिरफ्तार हुए और जेल गये। वर्ष 1924 में एक व्यंग्य लिखने के कारण ब्रिटिश हुकूमत ने इन पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया। वर्ष 1930 में वह नमक आंदोलन में गिरफ्तार हुए और जेल भेजे गये। वर्ष 1932, 1942 और 1944 में लंबे समय तक भूमिगत भी रहे। इस बीच राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन से इनकी भेंट हुई। जेल यात्रा के साढ़े छह वर्ष के दौरान मोतीलाल नेहरू, श्री महादेव देसाई व पंडित रामनरेश त्रिपाठी से इनकी भेंट हुई, जो घनिष्ठ मित्रता में बदल गयी। तेईस वर्ष की उम्र में वह जिला कांग्रेस कमेटी, फतेहपुर के अध्यक्ष बने। इस पद पर आठ वर्ष तक रहे और इसके बाद जिला परिषद, कानपुर के लगातार 13 वर्ष तक अध्यक्ष रहे। काव्य के प्रति इनका लगाव बचपन से था। पंद्रह वर्ष की उम्र में ही इन्होंने हरिगीतिका, सवैया और धनाक्षरी छंद कंठस्थ कर लिया था। उनके जीवन पर रामायण का काफी प्रभाव पड़ा और 15 वर्ष की उम्र में ही बालकांड की रचना कर डाली, लेकिन उस रचना को उनके पिता ने कुएं में फिंकवा दिया, क्योंकि उनका मानना था कि कविता लिखने वाला गरीब और फटेहाल रहता है। वर्ष 1924 में जब स्वाधीनता आंदोलन चरम पर था, तब इन्होंने विश्व विख्यात झंडागान–विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा, सदा शक्ति बरसाने वाला, प्रेम सुधा सरसाने वाला, वीरों को हरषाने वाला, मातृभूमि का तन–मन सारा की रचना की। इस गीत को कांग्रेस ने स्वीकारा और 1925 में कानपुर कांग्रेस अधिवेशन में यह गीत ध्वजारोहण के दौरान पहली बार सामूहिक रूप से गाया गया।

तब से आजादी मिलने तक यह गीत कांग्रेस के सभा, सम्मेलन, अधिवेशन और आंदोलन के समय गाया जाता रहा। आजादी की लड़ाई के दौरान यह गीत सभी का प्रिय बन गया। इस गीत ने देश के जनमानस में चेतना जागृत करने का कार्य किया। इसी कारण गुप्त पर ब्रिटिश हुकूमत के खुफिया विभाग की हर समय नजर रहने लगी। त्रिपुरी कांग्रेस अधिवेशन के समय लगभग एक लाख कांग्रेस प्रतिनिधियों व नेताओं के साथ यह गीत सुभाष चंद्र बोस ने भी गाया, पर आजादी मिलने के बाद इस गीत को एक तरह से भुला दिया गया। देश के लिए गुप्त के दिल में कितना दर्द था, यह उनके इस गीत से प्रकट होता है, जिसे उन्होंने 12 मार्च, 1972 को लखनऊ के कात्यायनी कार्यालय में सुनाया था– 'देख गतिविधि देश की मैं मौन मन में रो रहा हूं, आज चिंतित हो रहा हूं, बोलना जिनको न आता था, वही अब बोलते हैंध रस नहीं वह देश के, उत्थान में विष घोलते हैं। गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए इन्होंने कानपुर में गंगादीन–गौरीशकंर विद्यालय की स्थापना की, जो अब दोसर वैश्य इंटर कॉलेज के नाम से जाना जाता है। इस कॉलेज की पत्रिका का भी गुप्त जी ने कई वर्षों तक संपादन किया। इन्होंने एक अनाथालय और बालिका विद्यालय की भी स्थापना की। वैश्य समाज में व्याप्त कुरीतियों को खत्म करने और विधवाओं के पुनर्विवाह के लिए वह जीवनभर संघर्षरत रहे। वह इतने स्वाभिमानी थे कि जीवन में अभाव के बावजूद किसी के सामने उसका जिक्र तक नहीं करते थे। एक दिन नरबल में गणेश सेवा आश्रम जाते हुए इनके पैरों में कांच घुस गया, जिससे इनका पांव पक गया। कानपुर के उर्सला अस्पताल में पैर का ऑपरेशन हुआ, पर इनका स्वास्थ्य दिनों–दिन गिरता गया। वह जब मरणासन्न अवस्था में थे, तब कानपुर से प्रकाशित दैनिक श्आजश के नगर संस्करण में इनकी आर्थिक सहायता किये जाने का अनुरोध किया गया था। इससे पहले की सहायता मिलती 10 अगस्त, 1977 की रात वह हमें सदा–सदा के लिए छोड़ दुनिया से विदा हो गये। वर्ष 1973 में इन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। पर विडंबना है कि राष्ट्र के इस महान सपूत के अवसान के बाद न तो एक भी दिन झंडा झुकाया गया, न उनके अंतिम संस्कार में राज्य सरकार के किसी मंत्री ने भाग ही लिया। जिस व्यक्ति के लिखे गीत भीड़ को अनुशासित सैनिकों में बदलने की क्षमता रखते थे, भारत मां के इस अमर सपूत को नेतृत्व भले ही भुला दे, लेकिन देश कभी नहीं भूलेगा। आजादी की लड़ाई के इतिहास में उनका नाम सदा स्वर्णाच्छरों में लिखा जायेगा और अमर रहेगा। **– ज्ञानेंद्र रावत**

ताइवान पर तकरार के मायने

चीन और ताइवान का मसला कई दशक पुराना है। वर्ष 1949 में माओ त्से–तुंग से हार कर च्यांग काई शेक ने ताइवान में अपनी सत्ता स्थापित की थी। चीन का इस क्षेत्र पर हमेशा से दावा रहा है, पर ताइवान को लंबे समय तक अमेरिकन समेत पश्चिम का समर्थन रहा। सत्तर के दशक के शुरू में अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के प्रयासों से चीन को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ जोड़ा गया और अमेरिकन व चीन के बीच संबंधों का नया दौर प्रारंभ हुआ। तब अमेरिका ने श्वन चाइना पॉलिसीश को अपनाया, लेकिन 1979 में अमेरिकी कांग्रेस ने एक प्रस्ताव भी पारित किया, जिसे अमेरिका–ताइवान संबंध समझौता कहा जाता है। इसके तहत यह प्रावधान है कि ताइवान की सुरक्षा के लिए अमेरिका हर तरह से सहयोग मुहैया करायेगा, पर यह स्पष्ट नहीं था कि आवश्यकता पड़ने पर ताइवान के लिए अमेरिका चीन से लड़ने आयेगा। तब ऐसी स्थिति की आशा भी नहीं थी, क्योंकि चीन कमजोर था, लेकिन चीन पिछले कुछ समय से अमेरिका की वैश्विक प्रधानता को चुनौती देने का प्रयास कर रहा है। इसे अमेरिका ने गंभीरता से लिया है और उसका पूरा ध्यान हिंद–प्रशांत क्षेत्र पर केंद्रित हो रहा है, ताकि चीन के बढ़ते प्रभाव को रोका जा सके तथा उसके साथ प्रतिस्पर्द्धा की जा सके। इन परिस्थितियों के बावजूद अमेरिका किसी तरह के संघर्ष के पक्ष में नहीं है। चीन भी ऐसा नहीं चाहता है। ताइवान का मुद्दा चीन के लिए श्रेड लाइनश है और इस पर किसी तरह का समझौता नहीं कर सकता है। इसीलिए जब भी ताइवान में अमेरिका से कोई उच्चस्तरीय यात्रा होती है, तो चीन की प्रतिक्रिया आवेगपूर्ण होती है। जब से रूस–यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ है, अमेरिका की यह कोशिश रही है कि चीन रूस को हथियारों की आपूर्ति न कर सके। चीन भी कहता रहा है कि वह रूस को सैन्य सहयोग नहीं दे रहा है। इस तरह अमेरिकन और चीन के बीच इस मामले पर एक तरह की सहमति चली आ रही है। ऐसे में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की यात्रा ने वर्तमान समीकरण में हलचल पैदा कर दी है। वे हमेशा से चीन नीतियों का विरोध करती रही हैं। उन्होंने थियानमन स्कवेयर आंदोलन को भी समर्थन दिया था। वे पहले भी ताइवान की यात्रा कर चुकी हैं, लेकिन उन्होंने खुले तौर पर कभी भी ताइवान की स्वतंत्रता की मांग नहीं की है, लेकिन इस समय चीन बेहद नाराज है, क्योंकि उसे लगता है कि उसको चारों ओर से घेरने की कोशिश हो रही है। चीन अभी दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है, इसलिए वह अमेरिका से बराबरी के साथ बातचीत करना चाहता है। अमेरिका भी अभी यह नहीं चाहता था कि स्थिति बिगड़े, क्योंकि जल्दी ही जी–20 समेत कुछ अहम बैठकें होनी हैं। जब पेलोसी ने अपने एशिया दौरे की घोषणा की थी और उसमें ताइवान जाने की बात थी, तो मेरा मानना है कि उसमें बाइडेन प्रशासन से विचार–विमर्श नहीं किया गया था।

बाइडेन प्रशासन की ओर से जो बयान आये, उनमें कहा गया कि पेलोसी हाउस स्पीकर हैं और वे कहीं भी जा सकती हैं, उसमें प्रशासन कुछ नहीं कर सकता है। अमेरिकी सत्ता में हाउस स्पीकर का पद राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के बाद तीसरे स्थान पर आता है। चीन ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि उसे यह यात्रा स्वीकार्य नहीं है। इसमें पेलोसी के चीन विरोध का इतिहास भी एक कारक था। कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की लंबी टेलीफोन वार्ता हुई थी, तो उसमें भी इस दौरे पर बातचीत हुई थी और राष्ट्रपति शी ने तो यहां तक कह दिया था कि आग से खेलना ठीक नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि जब चार देशों का पेलोसी का कार्यक्रम प्रकाशित हुआ, उसमें ताइवान का नाम नहीं था, लेकिन जब कोई महाशक्ति ऐसी घोषणा कर देता है, तो उसका पीछे हटना बहुत मुश्किल होता है। अब सवाल यह है कि क्या पेलोसी की यात्रा से विश्व शांति, स्थिरता और सुरक्षा के लिए कोई लाभ हुआ, तो इसका उत्तर नकारात्मक है। यह तो एक नया मोर्चा खोलने की तैयारी जैसी बात है। एक तो ताइवान पर चीन का पुराना दावा है और उस पर वह सैन्य कार्रवाई कर कब्जा भी कर सकारात्मक है, यह उसके संविधान में लिखा हुआ है, पर वह बातचीत और आक्रामक बयान देकर फिलहाल काम चलाना चाहता है। मुझे लगता है कि पेलोसी का दौरा अमेरिका की घरेलू राजनीति की विवशताओं और वैश्विक राजनीतिक स्थिति को ठीक से नहीं समझने का परिणाम है। चीन ने सैन्य अभ्यास की घोषणा भी यह सोच कर की थी कि शायद अमेरिका इस दौरे पर पुनर्विचार करेगा। बहरहाल, यह अभ्यास ताइवान को एक सबक सिखाने के इरादे से भी प्रेरित है। जापान के एक निंदा प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के कारण चीन ने उसके विदेश मंत्री के साथ होने वाली बैठक रद्द कर दी है। इसके साथ ही ताइवान पर कुछ आर्थिक प्रतिबंध भी लगाये गये हैं। अगर रविवार तक सैन्य अभ्यास समाप्त हो जाता, तो यह माना जाता कि मामला नियंत्रण में आ रहा है, पर चीन ने इसकी अवधि बढ़ा दी है। यह आशंका बढ़ गयी है कि कुछ भी हो सकता है। रूस–यूक्रेन युद्ध का असर हम देख रहे हैं और अगर एक और मोर्चा खुल जाता है, तो यह बेहद बुरा होगा।

हजरत हुसैन ने हक व इंसाफ के लिए सब कुछ लुटा दिया

लखनऊ। इस्लाम के दुशमनों ने उसको नुकसान पहुंचाने की विशेष रूप से दो प्रकार की कोशिशें की हैं। एक खुले तौर पर दुशमनी की और दूसरे मित्रता के पर्दे में दुशमनी की, जिसको मुनाफिकत कहते हैं। यह कहना मुशकिल है कि इस्लाम को खुले दुशमनों ने अधिक नुकसान पहुंचाया या मुनाफिकों ने। जन्नत के नौजवानों के सरदार हजरत हुसैन रजि0 को भी दोनो प्रकार के दुशमनों ने नुकसान पहुंचाया। इन शब्दो का इजहार मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली इमाम ईदगाह, लखनऊ ने कया। वह ''शुहादाये दीने हक व इस्लाहे माआशरह''' के विषय पर खिताब कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुसलमान अच्छी तरह जानता है कि मुहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन ने दीन की बुनियादी चीजों में जब तबदीली होने लगी तो किस तरह बेचौन हो गए और बेचौनी इतनी बढ़ी कि इसकी निशानदही के लिए अपना सब कुछ लुटा दिया। यही वजह है कि हजरत हुसैन रजि0 हक व इंसाफ के लिए शहीद हुए। मौलाना ने कहा कि हजरत हुसैन रजि० की हस्ती ईमान व तकवा, अल्लाह पर भरोसा, सच्चाई, सब्र व शुक्र, हिम्मत, कुर्बानी, बे खौफी और शहादत के शौक जैसी विशेषताओं की प्रतीक थीं। आप रजि० की जीवनी के निर्माण में रसूल अकरम स० की शिक्षा व दीक्षा का पूरा असर मिलता है। आप रजि० को झूट, दोखे बाजी, गद्दारी, मुनाफिकत, बुजदिली और तमामबुराइयों से बहुत नफरत थी। मौलाना ने कहा कि 10 मुहर्रम 61 हि० को मैदाने कर्बला में हजरत हुसैन रजि० दुनिया को सच्चाई को साबित करने, बातिल को खत्म करने और ईसार व कुर्बानी के जो पैगाम दिया वह सबके लिए बेहतरीन नमूना है। उन्होंने ने कहा कि सत्य के मार्ग में शहादत का प्राप्त करना अल्लाह की बड़ी नेमत है। इस्लाम की तारीख शुहादाए इस्लाम के खून से रंगीन है। उन्होंने कहा कि कुरान मजीद में है कि शहीदों को मरा हुआ मत कहो वह जिंदा हैं। इसके बाद मौलाना फरंगी महली ने दसवें मुहर्रम के रोजे की फजीलत बयान की। उनके साथ गणमान्य मुसलमानों ने दसवीं मुहर्रम के रोजा का इफ्तार किया। जलसे का आरम्भ कारी कमरुद्दीन की तिलावत पाक से हुआ और जलसा मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली की दुआ पर खत्म हुआ।

ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता में 24 टीमों ने लिया हिस्सा

बस्ती। युवा कल्याण विभाग की ओर से पं. महादेव शुक्ल कृषक इंटर कॉलेज परिसर में ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रमुख प्रतिनिधि व क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी माता प्रसाद जायसवाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता में करीब 24 टीमों ने हिस्सा लिया। सौ मीटर दौड़ में साधना व अंबेश पाल प्रथम, वैष्णवी व सुंदरम गौड़ द्वितीय और प्रतिभा शुक्ला व तवारक अली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोला क्षेपण में हिमांशु प्रथम, फैजान अहमद द्वितीय व नवनीत मिश्रा तृतीय स्थान पर रहे। कबड्डी व वालीबॉल में गौर ने मुकाबला जीता। प्रतियोगिता में कुल 24 टीमों ने हिस्सा लिया। पुरस्कार वितरण ब्लॉक प्रमुख के प्रतिनिधि ने किया। उन्होंने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। ऐसी प्रतियोगिताएं युवाओं की प्रतिभा निखारने का काम करती हैं। मौके पर प्रबंधक ऊषा शुक्ला, प्रधानाचार्य अरविंद कुमार त्रिपाठी, संतोष शुक्ल, पवन कुमार शुक्ल, गिरजेश कुमार शुक्ल, मनोज कुमार राय, बाल मुकुंद शुक्ल, जितेंद्र कुमार पांडेय आदि मौजूद रहे।

सरकारी बसों में 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा जल्द

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को घोषणा की कि राज्य सरकार परिवहन निगम की बसों में 60 साल से अधिक आयु वाली बुजुर्ग महिलाओं को मुफ्त यात्रा सुविधा प्रदान करने की योजना बना रही है। उन्होंने यह बात उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) की 150 नई बीएस6 डीजल बसों को 'हरी झंडी' दिखाने के लिए यहां आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, हम राज्य परिवहन निगम की बसों में 60 साल से अधिक उम्र की बहनों और माताओं को मुफ्त यात्रा की अनुमति देने की योजना बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि रक्षाबंधन के मद्देनजर महिलाओं को 10 अगस्त की मध्यरात्रि से 12 अगस्त की मध्यरात्रि तक 48 घंटे तक मुफ्त यात्रा करने की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा, यह सेवा बहनों और माताओं को रक्षाबंधन मनाने के लिए अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए सुरक्षित वातावरण में यात्रा करने में मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, कोविड –19 के दौरान परिवहन विभाग की बसों ने देश के विभिन्न हिस्सों से लौट रहे प्रवासी कामगारों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया। उन्होंने कहा, 2019 के कुंभ मेले के बाद यात्रियों को मुफ्त में यात्रा की सुविधा दी गयी। उन्होंने कहा कि यदि हवाई अड्डों को विश्व स्तरीय बनाया जा सकता है, तो बस अड्डों को ,विश्व स्तरीय क्यों नहीं बनाया जा सकता है। उन्होंने बस स्टेशनों पर विश्रामालय, रेस्तरां और स्वच्छ शौचालय जैसी सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया। परिवहन विभाग की सेवाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि पुरानी बसों को चरणबद्ध तरीके से बदला जाए।

5 दिन पहले 2 लोगो को गोली मारने वाले 2 गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नरेट के मध्य जोन अंतर्गत सरोजनी नगर थाना क्षेत्र के हनुमान पुरी में 5 दिन पूर्व दो लड़कों को गोली मारकर घायल किए जाने के मुकदमे के दो आरोपियों पाल बस्ती सरोजनी नगर के रहने वाले अंकुर पाल और अमौसी सरोजनी नगर के रहने वाले अभिषेक पाल को आज सरोजनी नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके पास से एक पिस्टल एक देसी तमंचा चार जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद कर लिए है। पुलिस को चुनौती देने वाली इस घटना के बाद पुलिस हरकत में आई और मुकदमा दर्ज करने के बाद गोलियां चलाकर शिवांश और नितेश को घायल करने वालों की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी थी। सरोजिनी नगर पुलिस को महज 5 दिनों के अंदर सफलता मिली और 2 दबंगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर हवालात में पहुंचा दिया। सरोजिनी नगर पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किए गए अंकुर ने पुलिस को बताया कि उसके छोटे भाई नितिन पाल से 5 तारीख को झगड़ा हो रहा था और वो बीच बचाओ में गया था अपने भाई को बचाने आया तो उसे मोहल्ले वालों ने और महिलाओं ने घेर लिया। अंकुर ने पुलिस को बताया कि उसने अपने बचाओ में गोली चलाई जिससे शिवांश और नितेश के पैर में गोली लगी और वो दोनों घायल हो गए। पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किए गए अंकुर पाल के खिलाफ दो और अभिषेक पाल के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज हैं।

जेईई मेन्स परीक्षा में सीएमएस छात्रों का शानदार प्रदर्शन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। अभी हाल ही में घोषित हुए 'जे.ई.ई. मेन्स' परीक्षा परिणाम में सी.एम.एस. छात्र रोहन चतुर्वेदी ने 99.96 परसेन्टाइल अर्जित कर लखनऊ टॉपर का खिताब अपने नाम किया है तो वहीं दूसरी ओर, देवांश बंसल ने 99.94 परसेन्टाइल, नमन मिश्रा ने 99.84 परसेन्टाइल व सूर्यांश ने 99.88 परसेन्टाइल अर्जित कर अपने मेधात्व का परचम लहरया है। उक्त जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि 'जे.ई.ई. मेन्स' परीक्षा के द्वितीय चरण में सी.एम.एस. के सर्वाधिक 278 छात्र चयनित हुए हैं, जिनमें 108 छात्रों ने 90 से लेकर 99.96 परसेन्टाइल तक अंक अर्जित किए है जबकि 28 छात्रों ने 99 परसेन्टाइल से अधिक अंक अर्जित कर अपने मेधात्व का परचम लहराया है। श्री शर्मा ने बताया कि सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने सी.एम.एस. छात्रों की शानदार सफलता पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद दिया है। इस अवसर पर डा. गाँधी ने कहा कि यह उपलब्धि सी.एम.एस. के मेधावी छात्रों व विद्वान शिक्षकों के कड़े परिश्रम का प्रतिफल है, जिसने आज पूरे देश में लखनऊ का नाम रोशन किया है। डा. गाँधी ने विद्यालय की प्रधानाचार्याओं का भी हार्दिक आभार व्यक्त किया। श्री शर्मा ने बताया कि सी.एम.एस. में आई.एस.सी. की पढ़ाई के दौरान ही छात्रों को प्रोफेशनल कोर्सो की तैयारी हेतु छात्रों को मार्गदर्शन व जरूरी संसाधन उपलब्ध कराये जाते हैं।

कैंट पुलिस ने पकड़े 5 शातिर चोर 4 साइकिलें 1 स्कूटी बरामद

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नरेट की कैंट पुलिस ने पांच शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 4 रेंजर साइकिलें और एक बिना नंबर की स्कूटी बरामद की है।

कैंट पुलिस के द्वारा आज संजोग क्षेत्री बिहार कैंट के रहने वाले शिवम मिश्रा, रेस कोर्स रोड कैंट के रहने वाले कल्याण राई यहीं के रहने वाले अनिमेष राई , तेलीबाग पीजीआई के रहने वाले मयंक बाजपाई और बिधूना कैंट के रहने वाले शरद कुमार को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से पुलिस ने चोरी की चार रेंजर साइकिल और बिना नंबर की एक स्कूटी बरामद की है। बताया जा रहा है कि कैंट पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किए गए सभी 5 लोग शातिर किस्म के चोर हैं और ये लोग चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

संस्कृति विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 11 से 17 अगस्त तक प्रदर्शनी

प्रयागराज। क्षेत्रीय अभिलेख अधिकारी मो0 मोहसिन नूरी ने बताया है कि आजादी का अमृत महोत्सवके तहत संस्कृति विभाग द्वारा 11 से 17 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा, जिसके तहत 12 अगस्त को आर्ट एंड इण्टरटेनमेंट संस्था के द्वारा शहीद चन्द्रशेखर आजाद पार्क, नीम का पेड़ चौक, शहीद रोशन सिंह स्वरूपरानी अस्पताल, शहीद स्थल फांसी इमली सुलेमसराय तथा शहीद स्मारक लाल पदमधर कचेहरी स्थलों पर देशभक्ति/शहीदों से सम्बंधित नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया जायेगा।

क्षेत्रीय अभिलेखागार संस्कृति विभाग उ0प्र0, जिला प्रशासन एवं हिन्दुस्तान ऐकेडमी के द्वारा संयुक्त रूप से हिन्दुस्तान ऐकेडमी में दिनांक 14 अगस्त, 2022 को 1947 में भारत पाकिस्तान विभाजन विभिषिका से जुड़ी हुई पुस्तक प्रदर्शनी तथा दिनांक 17 अगस्त, 2022 को क्षेत्रीय अभिलेखागार संस्कृति विभाग, उ0प्र0, जिला प्रशासन एवं क्षेत्रीय पर्यटन विभाग के द्वारा इलाहाबाद संग्रहालय में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर आधारित विचार गोष्ठी/वार्ता एवं अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने यह भी बताया है कि स्वतंत्रता सप्ताह 11 से 17 अगस्त तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तावित किए गए है। प्रयागराज संगीत समिति में 11 से 15 अगस्त तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे, जिसमें 11 अगस्त को प्रियंका सिंह चौहान के द्वारा सायं 06रू00 बजे से लोकगायन, 12 अगस्त को वीना सिंह के द्वारा सायं 06रू00 बजे से ढेढ़िया नृत्त, 13 अगस्त को उदय चन्द्र परदेशी के द्वारा सायं 06रू00 बजे से लोक गायक, 14 अगस्त को उमेश कनौजिया के द्वारा लोक गायक एवं 15 अगस्त को मीनू तिवारी के द्वारा सायं 05रू00 बजे से लोकनृत्य कार्यक्रम की प्रस्तुति की जायेगी।

सर्वहारा विकास पार्टी ने प्रदेश भर में मनायी फूलन देवी की जयन्ती

लखनऊ। सर्वहारा विकास पार्टी डॉ एम. डी. कर्णधार जी के आह्वान पर केंद्रीय कार्यालय लखनऊ सहित प्रदेश के समस्त मण्डल, जनपद मुख्यालयों में स्व. वीरांगना फूलन देवी जी की 59 वीं जयंती मनायी गयी। जयन्ती कार्यक्रम का शुभारम्भ सर्वहारा विकास पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. एम.डी. कर्णधार, प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय प्रवक्ता मृत्युंजय साहनी, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी व कार्यालय प्रमुख बलवीर कश्यप, वरिष्ठ समाज सेवी रामानंद चौधरी, वरिष्ठ समाज सेवी डॉ. इंदूचंद्र नागर, वरिष्ठ समाज सेवी इंजी. ठाकुरदीन, समाज सेवी राजेन्द्र निषाद, वरिष्ठ समाज सेवी रामलगन यादव, समाज सेवी बच्चा लाल निषाद, समाज सेवी सतीश कश्यप, गायक नीरज गौड़, समाजसेवी विवेक कश्यप, समाज सेवी आर. सी. गौड़, सहित विभिन्न जनपदों से आये हुए पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने फूलन देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कर्णधार ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुये कहा कि वीरांगना फूलन देवी का बाल्यकाल व किशोरावस्था अत्यंत संघर्षमय रहा। यह दुर्भाग्य ही था कि उनका प्रथम वैवाहिक जीवन भी कष्टमय रहा। उन्हें ससुराल व समाज मे कठिन यातनाएं सहनी पड़ी। दुर्भाग्य से व बेवसी में जंगलों में ऐसा जीवन जीना पड़ा जिसकी सहज कल्पना कर पाना बहुत कठिन है। कार्यक्रम में वीरांगना फूलन देवी जी के प्रारंभिक जीवन से लेकर उनके द्वारा किये गये संघर्षों, नारी जाति की अस्मिता, स्वाभिमान व सम्मान के लिए उनके योगदान को याद किया गया। वीरांगना फूलन देवी द्वारा किया गया संघर्ष किसी जाति व समुदाय विशेष के लिए न होकर पूरी नारी जाति के लिए था। वह पूरे दलित, शोषित,वंचित, उपेक्षित व पीड़ितों के लिए अपने राजनीतिक जीवन की पारी में लगातार सड़क से लेकर संसद तक उनकी आवाज बनती रहीं। वीरांगना फूलन देवी ने अपने राजनीतिक सफर में एकलव्य सेना का गठन कर जेल में बंद व घरेलू हिंसा से प्रभावित महिलाओं के लिए अपनी अंतिम सांस तक कार्य करती रहीं। साथ ही साथ समाज के गरीब, शोषित व वंचित लोगों के प्रति उनके मन मे गहरी पीड़ा व उनके जीवन स्तर में सुधार लाने हेतु लगातार संघर्षरत रहीं। उनका जीवन समाज मे ब्याप्त कुरीतियां व सामंती सोंच के विरुद्ध संघर्ष करते हुए बीता। उन्हें नारी अस्मिता व नारी सशक्तिकरण की अनूठी मिशाल के रूप में पूरी दुनिया मे सदा याद किया जाता रहेगा एवं युवा पीढी के लिए वह अक्षुण् प्रेरणा का स्रोत बनकर युगों –युगों तक जिन्दा रहेंगीं।

आलमबाग में 10 किलो गांजे के साथ 3 गिरफ्तार

लखनऊ। अपराध की रोकथाम और अपराधियों की धरपकड़ के लिए लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस के द्वारा चलाई जा रही मुहिम में आज आलमबाग और गोमतीनगर पुलिस को सफलता हाथ लगी है। आलमबाग पुलिस ने नशे का कारोबार करने वाले चारबाग रेलवे कॉलोनी आलमबाग के रहने वाले सुधीर, विराट नगर कृष्णा नगर के रहने वाले शिव श्री वीरभद्र उर्फ गोलू और सर्वेंट क्वार्टर आलमबाग के रहने वाले सलमान को गिरफ्तार कर उनके पास से 10 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। लोको चौराहे के पास से आलमबाग पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किए गए नशे के सौदागर नशे के आदि लोगों को नशे की पुड़िया बेचते थे। इसके अलावा गोमतीनगर पुलिस ने बलात्कार के मुकदमे के आरोपी एमिटी ग्रीन सिटी गोमती नगर विस्तार के रहने वाले विनय सिंह उर्फ यश सिंह को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किया गया विनय सिंह मूल रूप से लखीमपुर खीरी का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए विनय सिंह के खिलाफ एक युवती ने मुकदमा दर्ज कराया था पीड़िता का आरोप था कि वो और विनय सिंह एक ही कॉलेज में एक साथ पढ़ते थे इस दौरान विनय ने उसे अपने दोस्त के घर पार्टी का बहाना करके बुलाया जहां उसने उसके साथ बलात्कार किया और अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करते हुए लगातार कई बार उसे अपनी हवस का शिकार बनाया। पीड़िता का यह भी आरोप था कि विनय सिंह से जब उसने विरोध किया तो विनय सिंह ने उसे बदनाम करने के लिए डराया और धमकाया भी। दर्ज कराए गए मुकदमे के आधार पर गोमती नगर पुलिस ने विनय सिंह उर्फ यश सिंह को गिरफ्तार कर हवालात में पहुंचा दिया है।

जिलाधिकारी ने हर घर तिरंगा अभियान का प्रचार प्रसार किया

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने बुधवार को कलेक्टेऊट परिसर से हर घर तिरंगा अभियान के प्रचार प्रसार हेतु सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग से आयीं हुई एलईडी वैन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। एलईडी वैन जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगो को हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने हेतु जागरूक करेंगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री शिपू गिरि, जिला पंचायतराज अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अंधविश्वास की लटपट कुछ और नहीं सिर्फ मानसिक गुलामी है : लक्ष्य

लखनऊ। भारतीय समन्वय संगठन (लक्ष्य) की लखनऊ टीम ने लक्ष्य कमांडर लाजो कौशल के नेतश्त्व में लक्ष्य घर घर की ओर अभियान के तहत एक भीम चर्चा का आयोजन लखनऊ के दुबग्गा के सीता विहार कॉलोनी में स्थित लक्ष्य कमांडर सुधा गौतम जी के निवास पर किया। बहुजन समाज की दुर्दशा का एक मुख्य कारण अंधविश्वास भी है जो मनुष्य को बिना मेहनत के सब कुछ मिल जाने का सपना है अर्थात् यह धूर्त लोगों का छलावा है धोखा है मूर्ख बनाने का हथियार है बहुजन समाज को इससे बचना चाहिए। यह बात लक्ष्य कमांडरों ने भीम चर्चा के दौरान कही। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अन्धविश्वास की लटपट कुछ और नहीं सिर्फ मानसिक गुलामी है, बहुजन समाज के लोगों को जल्द से जल्द इस मानसिक गुलामी से छुटकारा पाना होगा व धूर्त लोगों से बचना होगा, विज्ञान के मार्ग पर चलना होगा और अपने बच्चों के हाथ में कलम देनी होगी तथा शिक्षा को हथियार बनाना होगा। इस भीम चर्चा में लक्ष्य कमांडर लाजो कौशल, रेखा आर्या, देवकी बौद्ध, गायत्री गौतम, सुनीता सैनी,राखी वर्मा, सुधा गौतम ने हिस्सा लिया।

भाजपा के छल और धोखे से देश की जनता ऊब चुकी : प्रमोद तिवारी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। प्रमोद तिवारी, सांसद, राज्य सभा, एवं सदस्य, केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने बिहार प्रदेश के वर्तमान राजनैतिक घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा है कि भारतीय जनतापार्टी की स्थिति आज उस राजनैतिक सॉप की तरह है उन्होंने स्पष्ट करते हुये कहा है कि मैं भाजपा को सॉप नहीं कह रहा बल्कि उदाहरण दे रहा हूँ, जो अपने बच्चे निगल जाती है। उदाहरण के तौर पर पंजाब में अकाली दल, तमिलनाडु में अन्ना डीएमके, कर्नाटक में जनतादल, महाराष्ट्र में स्व. बाला साहब ठाकरे जी के कारण भारतीय जनतापार्टी का जन्म हुआ, गोवा एवं मणिपुर आदि में भा.ज.पा. ने सहयोगियों को धोखा दिया। भारतीय जनतापार्टी ने जहॉ–जहॉ वायदाखिलाफी की है और राजनैतिक दलों को धोखा दिया है वहॉ के राजनैतिक दल बिहार के इस राजनैतिक घटनाक्रम से प्रेरणा लेंगे, और भा.ज.पा. को उसके किये की सजा देंगे। श्री तिवारी ने कहा कि जिस तरह कांग्रेस के नेतष्त्व में ग्वालिया टैंक, मुम्बाई में महात्मा गॉधी जी के आह्वान पर दिनांक– 9 अगस्त, 1942 को ''अंग्रेजों भारत छोंड़ों'' का नारा दिया गया था, उसी तरह अब देश की गंगा जमुनी तहजीब को बचाने के लिये 9 अगस्त को ही पूर्वान्चल की ध रती (बिहार) से देश की गंगा जमुनी तहजीब को बचाने के लिये'' भा.ज.पा. गद्दी छोंड़ो'' का बिगुल फूॅका गया है जो स्वागत करने योग्य है। बिहार में किसी विधायक को न तो तोड़ा गया है और न ही कहीं रिजार्ट में भेजा गया है, और न ही उसकी खरीद फरोख्त ही हुई है, भारतीय जनतापार्टी के कारनामों से परेशान होकर आज वहॉ नयी सरकार का गठन किया गया है जो स्वागत करने योग्य है और सराहनीय कदम है। क्योंकि इनका इतिहास ही छल और छद्म करने का रहा है, धोखा देने का रहा है। श्री तिवारी ने कहा कि भारतीय जनतापार्टी को शर्म आनी चाहिए कि जब बिहार में नितीश कुमार, कांग्रेस और राष्ट्रीय जनतादल के गठबंधन के साथ पूर्ण बहुमत में आये थे तो उस समय भारतीय जनतापार्टी ने जे.डी.यू. (नितीश कुमार) के साथ मिलकर सरकार बना ली थी, और आज जब वही नितीश कुमार, आर.जे.डी. और कांग्रेस के साथ मिलकर बिहार में सरकार बना रहे हैं तो भा.ज.पा. उनको धोखेबाज कह रही है, ऐसी बयानबाजी करने के पहले भारतीय जनतापार्टी को अपने गिरेबॉ में झांककर देखना चाहिए था। आज बिहार में भारतीय जनतापार्टी को उसके कर्मो की सजा मिली है जो वह दूसरे राजनैतिक दलों के साथ हमेशा से करती रही है। श्री तिवारी ने कहा कि भारतीय जनतापार्टी के छल और ध ाोखे से देश की जनता ऊब चुकी है, इसलिये वर्ष 2024 के लोक सभा चुनाव में भा.ज.पा. सरकार का केन्द्र से पतन होना सुनिश्चित है, और कांग्रेस पार्टी के नेतष्त्व में केन्द्र में सरकार बनना तय है। क्योंकि महंगाई, बेरोजगारी और चारो तरफ फैले भ्रष्टाचार से दे की जनता परेशान हो चुकी है और देश की जनता भा.ज.पा. का विकल्प ढूँढ़ रही है, और वह विकल्प सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही उसे दे सकती है। श्री तिवारी ने फरार चल रहे श्रीकान्त त्यागी के गिरफ्तार किये जाने पर कहा कि पूरे प्रदेश में एक श्रीकान्त त्यागी नहीं है बल्कि प्रदेष के हर अंचल में चाहे कोई कस्बा हो, बाजार हो, गली मोहल्ला हो, या फिर जिला हो, हर जगह भा.ज.पा. राज में श्रीकान्त त्यागी सरीखे अराजक तत्व मिल जायेगे जो अहंकार में डूबे हुये समाज में अराजकता फैला रहे हैं, मीडिया ने एक श्रीकान्त त्यागी के संदर्भ में दिखाया, तो जनता के आक्रोष को देखते हुये उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

बिहार में सत्ता परिवर्तन देश में सत्ता परिवर्तन की राह देगा

लखनऊ। बिहार में भारतीय जनता पार्टी और जदयू की सरकार बिखरने के बाद राष्ट्रीय जनता दल, जनता दल यूनाइटेड, कांग्रेस पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टियों ने मिलकर जो मोर्चा बनाया है वह एक स्थाई मोर्चा होगा। उक्त विचार भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय सचिव ने अतुल कुमार अनजान ने कहे। बिहार के पार्टी प्रभारी अनजान ने बताया कि पिछले 8 महीनों से भारतीय जनता पार्टी को सरकार से बाहर कर विकास को नई गति देने के लिए पार्टी कार्य कर रही थी और वह इरादा पूरा हुआ। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतश्त्व में महागठबंधन के दल बिहार संदेश को देशभर में नया संदेश देंगे और यह सरकार भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार और राज्य सरकारों से अलग जन भावनाओं और जनता की सरकारों की सरकार बनकर उभरने का प्रयास करेगी। बिहार महागठबंधन सरकार विधानसभा में दो तिहाई बहुमत हासिल करेगी और भारतीय जनता पार्टी को तोड़फोड़ की कार्रवाई या महाराष्ट्र जैसी गतिविधि करने का मौका बिहार में नहीं मिलेगा।

इमली बाग गोशाला में गद्दीनशीन की अध्यक्षता में हुआ पूजन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। बुधवार को सिद्व पीठ हनुमानगढ़ी के इमली बाग में पंचायत भवन और भंडार घर का भूमि पूजन हुआ। तकरीबन 4 करोड़ की लागत से इमली बाग में गोशाला बनाया जाएगा। इस भवन का पूजन हनुमान गढ़ी के गद्दी नशीन महंत प्रेम दास की अध्यक्षता में किया गया। अखिल भारतीय श्री पंच रामानंदीय निर्वाणी अखाड़ा हनुमानगढ़ी के इस पूजन समारोह में हनुमानगढ़ी की सभी चारों पट्टी के संत मौजूद रहे। बहु प्रतीक्षित भंडार गश्ह व पंचायत भवन का भूमि पूजन वैदिक आचार्यों ने विधिवत पूजन–अर्चन से कराया गया। दो मंजिला इस भवन का निर्माण 30 हजार स्क्वायर फीट में होगा। इसका निर्माण अखाड़ा परिषद द्वारा कराया जा रहा है। महंत प्रेम दास महाराज ने बताया, पंचायत भवन और भंडार गश्ह बनने से हनुमानगढ़ी में होने वाले कार्यक्रमों में आसानी होगी। श्रद्धालुओं के लिए भी आसानी होगी कि बड़े हॉल में बिना किसी बाधा के आसानी से धार्मिक आयोजन कर सकेंगे। गद्दीनशीन महंत प्रेम दास जी महाराज के शिष्य हनुमत संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ महेश दास ने बताया कि हनुमानगढ़ी जैसे विशाल पीठ के पास इस तरह के बड़े भवन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। धर्म सम्राट महंत ज्ञान दास महाराज के उत्तराधिकारी संजय दास संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा कि सालों से जिस भवन की प्रतीक्षा थी आज उसका भव्य भूमिपूजन गद्दीनशीन महंत प्रेमदास महाराज की अध्यक्षता में हुआ। इस पंचायत भवन और भंडार गश्ह के बनने से अखाड़ा के सभी संत नागा साधु एक साथ बैठ सकते हैं। धार्मिक अनुष्ठान भी आसानी से हो सकेगा। पूजन कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्वागत सत्कार महंत डाक्टर महेश दास ने किया। इस अवसर पर अनी अखाड़ा के महंत ध र्मदास,हरिद्वारी पट्टी के महंत मुरली दास,महंत राम बरन दास,महंत गौरीशंकर दास,महंत रामकुमार दास,जगदगुरु रामानुजाचार्य डॉ राघवाचार्य,जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य,जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश दास,महंत रामानन्द दास, मंगल भवन पीठाधीश्वर महंत कृपालु रामभूषण दास,महंत माध व दास,महंत अवधेश दास,महंत बलराम दास, पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष महंत रामकुमार दास, जानकीघाट बड़ा स्थान के महंत जनमेजय शरण, संकट मोचन सेना के कार्यवाहक अध्यक्ष पुजारी हेमंत दास, वशिष्ठ भवन के महंत राघवेश दास वेदांती, गद्दीनशीन के शिष्य मामा दास, राजेश पहलवान, अंकित दास, सहित हनुमानगढ़ी के सभी नागा साध J समेत सैकड़ों संत महंत उपस्थित रहे।

चलती बाइक में लगी आग, सड़क पर आवागमन रहा बाधित

गोण्डा। जिले के सदर तहसील के बगुलही गांव के पास बाइक में अचानक आग लग गई। आग लगने के कारण पूरी बाइक जल गई। बाइक में लगी आग को बुझाने का काफी प्रयास किया गया। लेकिन आग नहीं बुझ सकी। आग लगने से घंटों तक सड़क पर अफरातफरी का माहौल बना रहा और आवागमन भी बाधित रहा।

गोंडा शहर के रहने वाले राहुल कुमार अपने घर से धानेपुर जा रहे थे। तभी रास्ते में धानेपुर बाबागंज मार्ग पर अचानक उनकी हीरो कंपनी की स्प्लेंडर गाड़ी में आग लग गई। आग लगने के बाद गाड़ी खड़ी करके राहुल पानी और धूल फेंककर आग बुझाने का काफी प्रयास किया। लेकिन काफी प्रयास करने के बाद भी आग पर काबू नहीं पा सके। शोर मचाने पर आसपास के लोग भी पहुंचे और लोगों ने भी आग बुझाने का काफी प्रयास किया लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। पीड़ित राहुल ने बताया कि मेरी गाड़ी में कोई खराबी भी नहीं था और अचानक गाड़ी में आग लग गई, जिससे गाड़ी धू–धू पूरी तरीके से जल गई। मेरे पास एक ही गाड़ी थी और वह भी जल गई। आग लगने का कारण मुझे भी नहीं

कांग्रेस के कारण सरकार को हर घर तिरंगा फहराने को बाध्य होना पड रहा है : पीएल पुनिया

बाराबंकी। भाजपा की तिरंगा प्रेम दिखावा है इन लोगो ने तिरंगे का अपमान किया है और कहा कि तिरंगा देश के लिये अशुभ है। आजादी की लडाई में संघ के लोग अंग्रेजो की फूट डालो और राज करो की नीति को अपनाकर देश में नफरत और द्वेष फैला रहे थे। आज कांग्रेस पार्टी का ही दबाव है कि भाजपा और संघ के लोग आजादी के नायको और उनके बलिदान को नकारने का साहस नही कर पा रहे है। प्रतीक रूप से ही सही कांग्रेस पार्टी की वजह से ही आज उन्हें हर घर तिरंगा फहराने को बाध्य होना पड रहा है। हालांकि संघ के कई अन्य संगठनो ने अब तक ऐसा नही किया है आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर अगस्त क्रान्ति 9 अगस्त से आजादी की गौरव यात्रा निकालकर कांग्रेस पार्टी जहां आजादी की लडाई में बलिदान हुये सेनानियो को नमन करेगी वही आज के युवा समाज को आजादी का इतिहास और कांग्रेस का योगदान बताने का कार्य करेगी। उक्त उद्गार छत्तीसगढ राज्य के प्रभारी पूर्व सांसद डा0 पी0एल0 पुनिया ने विधानसभा बाराबंकी की आजादी की गौरव यात्रा के दूसरे दिन ऐतिहासिक नागेश्वर नाथ मन्दिर से शुभारम्भ करने से पूर्व कांग्रेसजनो एवं स्थानीय आवाम के बीच व्यक्त किये गौरव यात्रा पूर्व सांसद डा0 पी0एल0 पुनिया , कांग्रेस अध्यक्ष मो0 मोहसिन, नगर अध्यक्ष राजेन्द्र वर्मा फोटोवाला, की अगुवाई में निकलकर नगर के मुख्य मार्ग सट्टी बाजार, घण्टाघर, ध नोखर चौराहा, बेगमगंज होते हुये सरदार पटेल की प्रतिमा पटेल तिराहे पर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण के पश्चात् समाप्त हुयी गौरव यात्रा के समापन के वक्त वरिष्ठ कांग्रेस पूर्व मंत्री नकुल दुबे विशेष रूप से मौजूद थे। पटेल तिराहे पर सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात् पूर्व मंत्री नकुल दुबे ने भाजपा सरकार की नीतियो की आलोचना करते हुये कहा कि पिछले आठ सालो की भाजपा सरकार में देश की जनता कमरतोड महंगाई, भयंकर बेरोजगारी, सार्वजनिक सम्पत्ति की कौडी के दामो पर बिक्री, कुपोषण, जी0एस0टी0 के आतंक और मोदी सरकार की विभाजनकारी नीतियो से त्रस्त हो चुकी है। रूपये की पतली हालत से विश्वस्तर पर देश की साख गिर गयी है। आजादी के बाद पहली बार देश में रोजमर्रा की वस्तुओ दूध, दही, पनीर आटा, चावल, ब्रेड जैसी बुनियादी चीजो पर टैक्स लगाकर भाजपा सरकार ने अपना असली गरीब विरोधी चेहरा दिखा दिया है। गौरव यात्रा में मुख्यरूप से पूर्व मंत्री नकुल दूबे, कांग्रेस अध्यक्ष मो0 मोहसिन, नगर अध्यक्ष राजेन्द्र वर्मा फोटोवाला, सरजू शर्मा, शबनम वारिस, इरफान कुरैशी, सिकन्दर अब्बास रिजवी, श्रीमती गौरी यादव, अतीक अहमद सद्दन, सना शेख सहित सैकडो की संख्या में कांग्रेसजन मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरे

स्कूल के बच्चों ने गॉव में बंधवाई बेटीयों से राखी

बाराबंकी। आज ग्राम मंजीठा में जागो–री–जागो आओ बनाएं शिक्षित व संस्कारित बेटियॉ केंद्र पर संस्थापक चन्द्र प्रकाश की उपस्थिति में प्रिंसिपल भारती मनकानी के मार्गदर्शन में जयपुरिया स्कूल के 42 बच्चों का एक दल शिक्षिकाएं शमा शर्मा, मंजीत, उनेजा, आशा, रिषभा, मनसा के साथ पहुंचा। बच्चे अपने साथ राखियां व अन्य सामान जिसमे कापियॉ, पेंसिल, रबर, बिस्कुट, टॉफी आदि लाएं थे जो उनके द्वारा उपस्थित सभी बेटियों को भेंट स्वरूप दिया गया। जागो–री–जागो की बेटियों ने सभी बच्चों को सौहार्दपूर्ण राखियां बांधकर मुहँ मीठा किया। सभी बच्चों द्वारा मिलजुलकर रक्षाबंधन एवं 15 अगस्त क्यों मनाया जाता है बातकर जानकारी साझा किया एवं एक दूसरे को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम सफल बनाने में वालेंटियर राजिया, शिवानी व पथ प्रदर्शक पारुल, अनुष्का का योगदान सराहनीय रहा।

झोपड़ी में लगी आग, पिता-पुत्र झुलसे

बस्ती। कप्तानगंज थाने के दुबौला क्षेत्र के कटरा बुजुर्ग गांव में अज्ञात कारणों से लगी आग में झोपड़ी जल गई। बगल में बंधा एक मवेशी गंभीर रूप से झुलस गया। आग बुझाने के दौरान पिता–पुत्र भी झुलस गए। ग्रामीणों ने मशक्कत कर आग पर काबू पाया। गांव निवासी जगराम राम राजमिस्त्री हैं। मंगलवार की रात वह काम कर लौटे और रात में खाना खाकर सो गए। परिवार के अन्य सदस्य भी सो गए। आधी रात को अज्ञात कारणों से झोपड़ी में आग लग गई। उसमें रखा सामान जल गया और बगल में बंधा मवेशी गंभीर रूप से झुलस गया। रामजग और उनका 16 वर्षीय पुत्र राहुल आग बुझाने के दौरान झुलस गए। ग्राम प्रधान अल्तमस सिद्धिकी ने राजस्व कर्मी को घटना की सूचना दी। लेखपाल धीरेंद्र सिंह ने गांव पहुंचकर घटना में हुई क्षति का आंकलन किया। पीड़ित जगराम को जरूरी सामान खरीदने और मवेशी के इलाज के लिए प्रधान ने आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया।

मंडलायुक्त ने हादसों में कमी लाने को बनाई रणनीति

गोण्डा। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए आयुक्त सभागार देवीपाटन मंडल ने सड़क सुरक्षा समिति के साथ बैठक की। समिति के अध्यक्ष मंडलायुक्त एमपी अग्रवाल ने समिति के कार्यों की बिन्दुवार समीक्षा की। साथ ही यातायात नियमों का प्रचार–प्रसार कराने के निर्देश दिए। कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाए। साथ ही बताया कि घायलों को मदद करने वाले को 5 हजार रुपये देकर पुरस्कृत किया जाएगा। समिति के सचिव, संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) अजय कुमार ने एजेंडे को बिंदुवार रखा। इस दौरान पूर्व में चिह्नित ब्लैक स्पॉट पर लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित सड़क निर्माण एजेंसी को सुधारात्मक कार्रवाई कराने के लिये निर्देशित किया गया। हिट एंड रन और सार्वजनिक सेवायान से संबंधित दुर्घटनाओं की जांच कराते हुए पीड़ित व्यक्तियों को सहायता राशि शीघ्र दिलाने के लिये आयुक्त ने निर्देशित किया।

आयुक्त ने कहा कि गुड सेमेरिटन अर्थात वह व्यक्ति जो सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्रों ध उपचार केंद्रों तक पहुंचाएगा या पहुंचाने में मदद करेगा। सम्यक पहचान कर उसको 5000ध– की ध नराशि से पुरस्कृत किया जाएगा। समिति ने यह भी निर्णय लिया कि नेक व्यक्तियों के चयन की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराकर पात्र को योजना का लाभ उपलब्ध कराया जाए।

तेज रफ्तार डबल डेकर बस पलटी, सात यात्री जख्मी

बहराइच। बहराइच–करनैलगंज रोड पर कटघरा कलां गांव के पास तेज रफ्तार डबल डेकर अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायल चालक को एक निजी क्लीनिक पर लाए जाने पर चिकित्सक ने इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया है। जबकि आंशिक चोटहिल आधा दर्जन यात्री पीछे आ रही अन्य डबल डेकर बस पर सवार होकर गंतव्य को रवाना हो गए। रानीपुर थाने के बहराइच– करनैलगंज रोड पर बुधवार सुबह दिल्ली को चलाई जा रही तीन डबल डेकर बसे सुबह लगभग नौ बजे दिल्ली से हुजूरपुर आ रही थी।

तीनों बसे काफी फासले पर थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बसों की रफ्तार काफी तेज थी। सबसे आगे आ रही डबल डेकर बस के आगे कटघरा कलां गांव के पास अचानक एक काला सांड़ सामने आ गया। उसे बचाने के प्रयास में आनियंत्रित होकर बस पलट गई। उसमें बैठे चालक सहित लगभग आधा दर्जन दर्जन यात्री घायल हो गए। दुर्घटना होते ही पीछे आ रही दोनों बसें रुकीं। आशिंक रूप से सभी घायल यात्रियों को लेकर बसें हुजूरपुर की ओर चली गईं।

शिकायत निस्तारण में ढिलाई पर 60 अधिकारियों को नोटिस

प्रयाग दर्पण संवाददाता

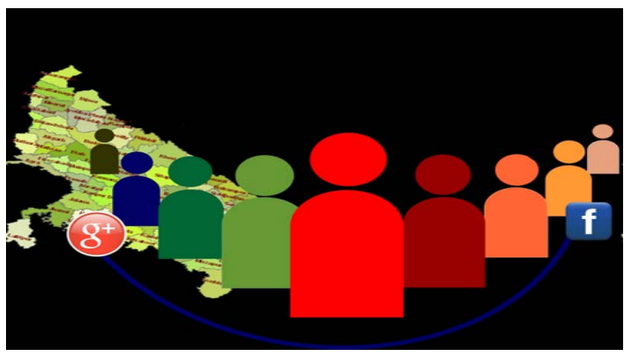

बस्ती। जनसुनवाई पोर्टल पर मिलने वाली शिकायतों का निस्तारण न करना 60 अधिकारियों को भारी पड़ गया। कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा के दौरान डीएम प्रियंका निरंजन ने सभी को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन में स्पष्टीकरण मांगा है। सर्वाधिक अनिस्तारित शिकायतें चिकित्सा, बेसिक शिक्षा व पंचायती राज विभाग की हैं। इसी मामले में डीएम ने बीईओ सल्टौआ गोपालपुर का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। कई हफ्ते से अधिकारियों ने जनसुनवाई पोर्टल को खोला ही नहीं है। इससे शिकायतें डिफाल्टर श्रेणी में चली गईं। डीएम ने बताया कि कई बार नोटिस व अनुस्मारक भेजने के बावजूद अधिकारियों ने मामले का संज्ञान नहीं लिया। इसके चलते राज्यस्तर पर जिले की रैंकिंग प्रभावित हुई है और आमजन को समस्याओं का सामना करना पड़ा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों के निस्तारण में दोबारा लापरवाही करने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने बताया कि सीएमओ, चारों तहसीलों के एसडीएम व तहसीलदार, ईओ नगर पालिका, नगर पंचायत हर्रैया, बभनान, कप्तानगंज, समाज कल्याण अधिकारी, प्रोबेशन अधिकारी, बंदोबस्त व चकबंदी अधिकारी, गन्ना अधिकारी, कृषि अधिकारी, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, बीएसए, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड, बाढ़, विद्युत वितरण खंड द्वितीय व हर्रैया, एआरटीओ, सीवीओ, एएमए जिला पंचायत को नोटिस जारी किया गया है। साथ ही अधिशासी अभियंता यांत्रिक, प्रभागीय वन अधिकारी, उपनिदेशक कृषि, पीडी डूडा, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक हर्रैया, बस्ती, भानपुर, सहायक विकास अधिकारी बस्ती, गौर, दुबौलिया, हर्रैया, बनकटी, परशुरामपुर, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली, सोनहा, मुंडेरवा, नगर क्षेत्र, परसरामपुर, लालगंज, बीडीओ हर्रैया, गौर, रुधौली, परशुरामपुर, सल्टौआ गोपालपुर, बनकटी, कुदरहा पर कार्रवाई की गई है। मौके पर सीडीओ डॉ. राजेश कुमार प्रजापति, डीएफओ नवीन कुमार शाक्य, डीडीओ अजीत कुमार श्रीवास्तव, उपनिदेशक कृषि अनिल कुमार, एसीएमओ डॉ. एके गुप्ता, अध्क्षिण अभियंता विद्युत सुशील कुमार मौर्य आदि मौजूद रहे।

करंट लगने से राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत

अयोध्या। खंडासा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत घटौली में बुधवार को करंट लगने से राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत हो गई। वन विभाग की टीम ने मोर के शव को राष्ट्रीय सम्मान के साथ दफना दिया है। मामला कुमारगंज वन रेंज के घटौली पूरे पाठक गांव का है। सुबह लगभग 7:30 बजे सड़क किनारे स्थानीय हरिनाथ पाठक ने मोर का शव देखा। वहां पर अन्य ग्रामीण भी इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। करीब दो घंटे बाद वन कर्मी सुरेश यादव अपनी टीम के साथ पहुंचे। तब तक ग्रामीण शव के पास ही बैठे रहे। ग्रामीणों ने कहा कि शव के पास बैठे थे, ताकि कोई जानवर खा न जाए। वनकर्मियों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आया तो मौत के कारण का पता चला। वन क्षेत्राधिकारी कुमारगंज पीके श्रीवास्तव ने बताया कि करंट लगने से राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत हुई है। मोर के शव को राष्ट्रीय सम्मान के साथ वन चेतना कुमारगंज में दफना दिया गया।

एक भारत श्रेष्ठ भारत के नारो के साथ ब्रह्माकुमारियों ने फहराया तिरंगा

बाराबंकी। आजादी की 75वीं सालगिरह हर भारतीय के लिए खास होने जा रहा है। इस मौके को अविस्मरणीय बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा चलाए गई हर घर तिरंगा अभियान में प्रजापिता, ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, भी जमकर हिस्सा ले रहा है। इसी तत्वाधान में संस्था के बाराबंकी सेवा केंद्र दिव्य शक्ति भवन में विशेष सभा का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर लखनऊ की राजयोगिनी माधुरी दीदी एवं राजयोगिनी दिव्या दीदी ने मिलकर सेवा केंद्र पर पधारे 300 से अधिक बीके भाई बहनों के साथ भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया तथा झंडारोहण के पश्चात सभी ने राष्ट्रगान गाया। भारत माता की जय तथा एक भारत श्रेष्ठ भारत जैसे नारों से आकाश गूंज उठा तथा सभी में देशभक्ति की लहर फैल गई । बीके माधुरी ने विशाल सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह भारत को पुनः श्रेष्ठ भारत विश्व गुरु भारत बनाने का समय है तथा इसके लिए एक अभिनव आध्यात्मिक क्रांति की आवश्यकता है। बीके दिव्या दीदी ने कहा कि इस घोर कलियुग के समय में सृष्टि के रचनाकार परमपिता परमात्मा शिव सभी मनुष्य आत्माओं को विकारों की गुलामी से छुड़ाए सच्ची स्वतंत्रता दिलाने के लिए पुनः धरती पर अवतरित हो चुके हैं तथा राजयोग का दिव्य ज्ञान दे रहे हैं। तथा सभी को एक भारत श्रेष्ठ भारत के शुभ संकल्प से अपने अपने घरों में भारत के भाग्य का तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया।

सामाजिक सद्भावना का पर्व है रक्षा बन्धन : डॉ0 विकास

बाराबंकी। राम सेवक यादव स्मारक इण्टर कालेज बड़ेल में भाई–बहन के अटूट प्रेम के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व के सुअवसर पर अनेक कलात्मक एवं सृजनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्राइमरी वर्ग से लेकर सीनियर वर्ग तक के छात्र/छात्राओं की रचनात्मक वृद्धि एवं अपनी भारतीय सांस्कृतिक परम्पराओं को अक्षुण बनाये रखने के उद्देश्य से राखी एवं मेंहदी प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जिसमें छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़ कर प्रतिभाग किया। बच्चों ने अपने कला कौशल और पवित्र प्रेम के सुन्दर भावों से युक्त राखी के कच्चे धागों को अपूर्व रूप प्रदान किया। अपनी राखी में नये–नये प्रयोग कर बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता का अदभुत परिचय दिया। बच्चों द्वारा निर्मित राखियों में मोतियों और नगीने आदि के परम्परागत रूप के अतिरिक्त फूल–पत्तियों, बादाम, काजू, चावल, आटा, जूट आदि अनेक तत्वों से निर्मित इको फ्रेण्डली राखियाँ विशेष रूप से आकर्षण का केन्द्र थी। बच्चों ने इको फ्रेण्डली राखी वृक्षों को बाँधकर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। मेंहदी प्रतियोगिता में कक्षा– 6 से 12 तक छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

साइकिल रैली व प्रभात फेरी निकाल कर राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति किया जागरूक

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। आगामी 13 अगस्त 2022 दिन शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के उद्देष्य से साइकिल रैली व प्रभात फेरी का आयोजन किया गया जिससे राष्ट्रीय लोक अदालत के वृद्ध प्रचार एवं प्रसार तथा प्रचारित एवं प्रसारित किया जाना है कि लोग लोक अदालत के माध्यम लोग मुकदमों को सुगमता से निस्तारित करवा सकते है। प्रभात फेरी एवं साइकिल रैली को रविंद्र नाथ दुबे जिला जज/अध्यक्ष राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने अपने कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जो केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर जाकर समाप्त हुई। आदर्श श्रीवास्तव सचिव राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि रैली में जमील उर रहमान गर्ल्स इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज तथा अजीमुद्दीन अशरफ इंटर कॉलेज के छात्र छात्राओं, हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट के खिलाड़ियों एवं एनसीसी कैडेटों ने भाग लिया। पुलिस प्रशासन व ट्रैफिक पुलिस का विशेष सहयोग रहा। साइकिल रैली में न्यायिक अधिकारियों ने भी साइकिल चलाकर रैली का हिस्सा बने।

महिला ने लगाया अमानवीय व्यवहार का आरोप, जांच शुरू

बस्ती। परशुरामपुर थाना क्षेत्र की एक महिला ने पति समेत अन्य ससुरालियों पर गंभीर आरोप लगाया है। उसका कहना है कि उसे कई दिनों तक भूखा–प्यासा रखा गया। निर्वस्त्र कर पिटाई की गई। वह बेहोश हो गई तो उसे गन्ने के खेत में फेंक दिया गया। वहां से किसी ने एंबुलेंस बुलाकर उसे अस्पताल भेजवाया। उधर, पुलिस का कहना है कि महिला इससे पहले अपने ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज करा चुकी है। अब दुष्कर्म की शिकायत लेकर डीएम कार्यालय पहुंची है। आरोपों के आधार पर उसका मेडिकल कराया जा रहा है। कोतवाली पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में लेकर परशुरामपुर पुलिस के हवाले कर दिया है। पीड़िता का कहना है कि परशुरामपुर कस्बे के एक स्टोर पर

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विकास कार्यों के 37 बिंदुओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में विकास प्राथमिकता वाले 37 बिंदुओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिशाषी अभियंता सिंचाई नहर प्रखण्ड को रोस्टर के अनुसार निर्धारित समय पर नहरों में टेल तक पानी पहुंचाये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने मनरेगा के द्वारा बनाये जा रहे चौकडैमों की जांच लघु सिंचाई विभाग के अभियंता द्वारा निरंतर किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने सिंचाई की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी लेते हुए सिंचाई के लिए पानी की स्थिति की जानकारी ली। विद्युत विभाग की समीक्षा में जिलाधिकारी ने विभागों पर बिजली के बिल बकाया की धनराशि के भुगतान किए जाने हेतु सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने नई सड़कों की निर्माण की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया है कि गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्धता के साथ कार्यों को पूर्ण किया जाये। जिलाधिकारी ने कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए पीएम किसान सम्मान निधि, सोलर पम्पों की आपूर्ति की स्थिति, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रगति के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने निराश्रित गोवंशों को संरक्षित करना तथा उनके लिए चारा–भूसा की व्यवस्था की जानकारी लेते हुए कहा कि प्रत्येक गोवंश आश्रय स्थलों पर चारे की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित रहे। उन्होंने वृहद गोशाला एवं मॉडल गोशाला का डीपीआर तैयार किए जाने के लिए मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को निर्देशित किया है। जिलाधिकारी ने कहा कि बरसात के दिनों में बीमारियां ज्यादा फैलती है, इसलिए निराश्रित गो आश्रय स्थलों में निराश्रित गोवंशों के टीकाकरण का कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने का निर्देश मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को दिया है। मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को मॉडल गोशाला का निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलो में संरक्षित गोवंशों की ईयर टैगिंग का कार्य शत–प्रतिशत पूर्ण किए जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने सामुदायिक शौचालय के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए शेष बचे हुए सामुदायिक शौचालयों के निर्माण कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। कायाकल्प योजना के तहत प्राथमिक स्कूलों में कराये जाने वाले कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने शेष बचे हुए कार्यों को प्राथमिकता पर कराये जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों को शीघ्रता से पूर्ण किए जाने की कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी से दवाओं की उपलब्धता एवं एम्बुलेंस की जानकारी लेते हुए निरंतर मानीटरिंग करते रहने के लिए निर्देशित किया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।